उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः37 || पृष्ठः 8 +4= 12 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 13 अक्टूबर 2025

अंदर के पृष्ठ पर

गांधीजी के महात्मा कहलाने की कहानी में कानपुर... चंपारण आंदोलन से भी जुड़े हैं तार 3

डीएम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्वालटोली का किया औचक 8

अयोध्या : खाना खाते ही मुंह से निकला झाग, रावत मंदिर के महंत ने तोड़ा दम

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। अयोध्या में खाना खाते ही मुंह से झाग निकला और कुछ ही समय में रावत मंदिर के महंत ने दम तोड़ दिया। उनके खाते में जमीन बिक्री के सात करोड़ रुपये आए थे। उनकी मौत संदिग्ध मानी जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रामनगरी अयोध्या में रावत मंदिर के महंत राममिलन दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बताया गया कि रात में भोजन करने के कुछ देर बाद महंत की तबीयत अचानक बिगड़ गई। मुंह से झाग निकलने लगा। यह देख शिष्यों ने तुरंत उन्हें श्रीराम अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर अयोध्या कोतवाली प्रभारी मनोज शर्मा मौके पर पहुंचे। मामले की जांच की जा रही है।

वहीं, दिगंबर अखाड़ा के महंत रामलखन दास और वामन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की। शिष्यों का कहना है कि महंत राममिलन दास सरल और धार्मिक स्वभाव के संत थे। वे पिछले 15 वर्षों से रावत मंदिर के महंत के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उनके गुरु राममिलन दास राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख अगुवाओं में से एक रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में मंदिर से जुड़ी जमीन की बिक्री से करीब छह से सात करोड़ रुपये उनके खाते में आए थे। घटना की जानकारी पर डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर भी अस्पताल पहुंचे। हालांकि अब तक मौत के कारणों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

» जमीन बिक्री के सात करोड़ खाते में आए थे,मौत संदिग्ध, पुलिस जांच में जुटी

नाबालिग दलित छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय एक नाबालिग दलित छात्रा के साथ पांच लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के मुताबिक 11वीं कक्षा की छात्रा, कथित तौर पर दोपहर करीब 12 बजे अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए घर से निकली थी। वह एक परिचित के साथ मोटरसाइकिल पर जा रही थी।कृष्णा नगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विकास कुमार पांडेय ने को बताया, छात्रा और उसका परिचित एक पेट्रोल पंप के पास आम के बाग में बात करने के लिए रुके थे, तभी पांच अज्ञात लोग उनके पास आए।''उन्होंने बताया,''आरोपियों ने कथित तौर पर लड़की के परिचित की पिटाई की और उसे भागने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद उन्होंने लड़की को धमकाया और सामूहिक बलात्कार किया।

दीपावली विशेषांक पृष्ठ - 12

अपनी बात....

संपादकीय ....

गाजा में स्थायी संघर्ष विराम सुनिश्चित हो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था। दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। बेहद आक्रामक तेवर दिखा रहा इस्राइल भविष्य में चुप बैठेगा। हमास बीस इस्राइली बंधकों तथा मारे गए लोगों के शव लौटाने को राजी हुआ है। जिसके बदले में इस्राइल द्वारा हमास के कुछ लड़ाकों समेत हजारों फलस्तीन कैदियों को रिहा किया जाना है। कहने को तो गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी की शर्त भी है, लेकिन अमेरिकी सरपरस्ती में निरंकुश व्यवहार कर रहे इस्राइल से इस मुद्दे पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है।

महिला-युवा तय करेंगे सरकार कौन बनाएगा

ललित गर्ग

बिहार चुनाव में इस बार महिला मतदाता और पहली बार वोट डालने वाले युवा निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। सत्ताधारी गठबंधन महिलाओं को लुभाने में जुटा है, जबकि विपक्ष बेरोजगारी और पलायन को मुद्दा बना रहा है।लोकतंत्र की जननी बिहार की धरती–क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का इतिहास दोहराएगी? मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन लगता है कि एक बार फिर बिहार में महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है।बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने की जी-तोड़ कोशिश की है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपये की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इसका फायदा दिया जाना है। बेशक भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं को कभी 'रेवड़ी' बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाड़ली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोई दल नकार पाए।

मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जब 10 जून, 2023 को जबलपुर में लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी, तब माना जा रहा था कि उनकी सरकार मध्य प्रदेश में अलोकप्रिय हो चुकी है। लेकिन चुनावी नतीजों ने इस धारणा को बदल दिया। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले शायद ही किसी ने अंदाजा लगाया था कि भूपेश बघेल सरकार को हार का स्वाद चखना होगा, लेकिन ऐसा हुआ। माना गया कि सियासी तस्वीर बदलने में भाजपा की महतारी वंदन योजना का बड़ा हाथ रहा। महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत में भी अन्य कारकों के साथ लाड़ली बहना योजना और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की वापसी में मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना की अहम भूमिका रही है।

पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं ने मतदान में पुरुषों के पीछे चलने की अवधारणा को बदला है। वे बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे। बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ है।

वास्तव में पलायन के चलते बिहार में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोज़ी-रोटी कमाने को मजबूर हैं। इस बार भी बिहार की अगली सरकार के गठन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

महिलाओं की ही मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं, तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है।

बिहार में इस बार 14 लाख ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। विधानसभावार आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हर विधानसभा में पहली बार वोट डालने वालों की संख्या औसतन 5,761 होती है। विधानसभा में जीत-हार का आंकड़ा बेहद नजदीकी होता है। जाहिर है कि इन नए मतदाताओं पर भी विधानसभा में जीत-हार निर्भर होगी। यही वजह है कि विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव बार-बार युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपनी सरकार बनने की स्थिति में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने का दावा भी कर रहे हैं। तेजस्वी खुद को युवा हितैषी साबित करने के लिए नीतीश कुमार के साथ रहते नौकरियों के बांटे गए दस्तावेजों का हवाला देने से भी नहीं चूक रहे।पलायन को विपक्षी खेमे की ओर से मुद्दा बनाने की जबरदस्त कोशिश हो रही है। बिहार में रोजगार की कमी के चलते यहां के लोग महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का रुख करने को मजबूर हैं। प्रशांत किशोर मतदान में युवाओं की ताकत को समझते हैं। इस बार के चुनाव में महिलाओं के साथ पलायन भी बड़ा मुद्दा रहने के गहरे आसार हैं।चुनाव आयोग ने बिहार से ही अपने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर की शुरुआत की है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्षी समुदाय इस पुनरीक्षण से बौखलाया हुआ है। वोट चोरी की धारणा को इस अभियान के बहाने राहुल गांधी ने नया रुख दिया है। उन्हें लगता है कि एक बार इसे छोड़ दिया गया तो वोट चोरी की धारणा ही धीरे-धीरे सवालों के घेरे में आती जाएगी। इसलिए विपक्षी खेमे की कोशिश है कि एसआईआर को फालतू का कार्यक्रम बताकर इस पर सवालिया निशान खड़े किए जाएं।विपक्ष की कोशिश महिलाओं के सम्मान के बहाने नीतीश सरकार को घेरते हुए लोगों का समर्थन हासिल करने की है, जबकि सत्ता पक्ष इसे विपक्ष का दुष्प्रचार बताकर उसे किनारे रखने के प्रयास में प्राणपण से जुटा हुआ है। यह भी सच है कि इस बार भी, पिछले कुछ बार की तरह, सबसे निर्णायक भूमिका महिला वोटर ही निभाएंगी—और इस अहम भूमिका में युवा उनका साथ देंगे।

भारत सरकार को कई हजार करोड़ का टैरिफ़ मुफ्त में दे दिया

व्यंग्य- जानिए बिहारी फ्लेवर से क्यों लापता हुई काबा-काबा गर्ल...!

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

बिहार परिदृश्य से दो सबसे महत्वपूर्ण कैरेक्टर गायब हैं और वह हैं अरविन्द भाई केजरीवाल और नेहा सिंह राठौर। दोनों के दोनों एक ही क्वालिटी के व्यक्तित्व है अर्थात मौकापरस्त। हालांकि एक कांग्रेस को घेरकर सत्ता में कुछ दिन मौज उड़ाया और एक भाजपा को घेर कर यूट्यूब से करोड़ों कमा रही और कांग्रेस के लिए आँखों का काबा बनी हुई है। बतौर तेजूलेश केजरीवाल और नेहा के साथ जमाना चलता है। उन्हें सारी दुनिया बहुत गंभीरता से लेती है। वे जिसके पक्ष में रहेंगे , समझिए कि बयार उसी के पक्ष में बहेगी । राजनीतिक पार्टियों को उनके यहां दौड़ लगानी चाहिए, उनसे प्रार्थना करनी चाहिए कि वे उनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलें।

उन्होंने भारत के लिए देश के अंदर ही नहीं देश के बाहर भी महान कार्य किए हैं। एक नें अरबों का शराब बिकवा दिया दिल्ली में तो एक नें गाना गया कि 'यूपी में काबा ए बाबा ', फिर गाया 'बिहार में काबा ए चाचा '। यह गाना जब इंटरनेशनल लेवल पर फेमस हुआ तो ट्रम्प के कान में भी पड़ा उन्होंने समझा कि मैडम उनके प्रेसिडेंट बनने पर काबा का दौरा करेंगी। पाक के साफ स्थान काबा की बात कर रही हैं। भाई साहब ! इसी गीत से खुश होकर ट्रम्प ने भारत सरकार को कई हजार करोड़ का टैरिफ़ मुफ्त में दे दिया। इसी तरह रूस पहले भारत को सस्ता तेल देने को तैयार नहीं था। फिर भारत सरकार ने केजरीवाल के सबसे विश्वनीय प्रतिनिधि सत्येंद्र जैन को गुपचुप रूस भेजा था और उन्होंने पता नहीं कौन सी ब्रांड पुतिन को पिला दी कि वे आधा रेट में तेल देने को तैयार हो गये।सोच रहा हूँ। उधर बिहार में लोगो नें वकील साहब के फेमस होने के बाद जान लिया कि इस संसार में जूते से अधिक मारक वस्तु कोई नहीं ! कभी कभी गोली और गाली भी उतना प्रभाव नहीं छोड़ते जीतना एक जूता या हवाई चप्पल छोड़ जाता है। सोचिये बिना लाठी चलाये सांप मर जाए और लाठी भी टूटे जाने पर किसी व्यक्ति का नुकसान किस हद तक हो सकता है। यह बात अखिलेश यादव पर सटीक बैठता है क्यूंकि कभी खुले मंच पर मायावती के चरणों में लोट चुके अखिलेश अब सदमे में है क्यूंकि उन्हें पता है कि लाठी तभी टूटती है जब लाठी किसी मजबूत को लगे। लेकिन जूते के केस में ऐसा नहीं है। जूता निशाने पर लगे या न लगे, वह अपना प्रभाव छोड़ देता है। कभी कभी तो जूता उछलता भी नहीं, धारक बस उसे पैर से निकाल कर हाथ में उठा लेता है और इतने भर से उसका काम सिद्ध हो जाता है। है न अद्भुत ! पुराने मारक युद्ध याद कीजिये शब्दभेदी केवल उसी व्यक्ति का नुकसान करता है जिस पर प्रहार किया जाता है। जूते के मामले में यहाँ भी अंतर है। जूता चलता केवल पाखंडी और सेक्यूलर व्यक्ति पर है, पर चोटिल अनेकों ट्विटर एक्स और प्रवक्ताओं को करता है। कभी कभी तो एक जूता करोड़ों नवबौधों को चोट पहुँचा जाता है है न कमाल? संसार के सारे अस्त्र शस्त्र एक तरफ और वकील साहब का जूता और मायवाती की जूती एक तरफ। एक नें जड साहब की आत्मा चोटिल कर दी एक नें नेता जी की लाल टोपी को मटियामेट कर डाला हैं। इन जूते जूतियों का जितना तेज प्रहार, उतनी पीड़ा उतनी ही हानि। अस्त्र ऐसा नहीं करता। उससे शरीर को उतना ही नुकसान जितने पास से चलाया गया होता। आपने कभी नहीं सुना होगा कि जूते के प्रहार से फलाँ का हाथ टूट गया, टांग टूट गयी।

एक बौद्धिक व्यक्ति दस बज कर बाइस मिनट पर जूता खाने के बाद दस बज कर तेईस मिनट पर मुस्कुराते हुए अरिजीत सिंह का रोमांटिक सांग गा सकता है। पर कहीं मुँह दिखाने लायक़ नहीं बचता। कहने का अर्थ यह है कि जूता शरीर को अल्पतम नुकसान पहुँचाता है। लेकिन उसकी असली चोट आत्मा पर पड़ती है। चोटिल व्यक्ति के हृदय में जूते की याद सदैव बनी रहती है। जूतों की दुनिया में अद्भुत साम्यवाद है। आप देखिये, जूता लेदर का हो या प्लास्टिक का, दस हजार का एडिडास हो या तीन सौ का नेपाली गोल्डस्टार, असर बराबर ही छोड़ता है। ऐसा नहीं कि बजवा चमड़े का वकिली जूता ज्यादा मारक होता है । जूता बाभन का हो या ठाकुर का हो उसकी चोट उसका असर बराबर ही होता है और वह मनुवाद की याद दिलाता है। इस देश में प्रतिदिन अनेकों ठाकुर लोगों को गोली लगती है, अनेक बभनान लाठी डंडों से मार दिए जाते हैं।इन घटनाओं पर देश कभी नहीं उबलता। लेकिन एक जूता चल जाय तो देश हिल जाता है। सोचिये हर साल एससी एसटी एक्ट की फर्जी घटनाओं में हजारों लोगों के परिजन बीस बीस साल तक कचहरियों में दौड़ते दौड़ते थक कर चुप हो जाते हैं, पर उनके साथ कोई नहीं आता। लेकिन जूते के मामले में देखिये, जूता फेंकने वाले के साथ भी हजारों खड़े हैं और खाने वालों के साथ लाखोंज सोचो दोस्त! जूता बहुत बड़ी चीज है कि लोकतंत्र और सनातन ! मान लीजिये कि लोकतंत्र में जूते से अधिक महत्वपूर्ण और कुछ भी नहीं। वह दिन दूर नहीं जब पैर में जूता हो न हो, हर हाथ में जूता अवश्य होगा और थोक के भाव नेता लोग खाएंगे। अभी वर्तमान में कुछ नेता चोरी छिपे भारत से जाकर अमेरिका चीन संबंधों पर काम कर रहे, वे अमेरिका के नेवाडा , बिहार के नेवादा और यूपी के नोएडा को मिला कर ऐसा देश बनाने वाले हैं जिसके पीएम वो ही होंगे। बैलट पेपर से चुनाव होगा और आलू से सोना बनाने वाली मशीन हर घर की महिलाओं को मुफ्त बाटी जाएगी। मारे खुशी के ट्रंप बिहार आएगा और वह नेहा और केजरीवाल जैसे निष्पक्ष नेताओं की तारीफ करते हुए टैरिफ को जीरो कर देगा और जूता को अमेरिका का राष्ट्रीय चिन्ह घोषित कर देगा।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

पुलिस द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए एक परिवार को टूटने से बचाया गया

कानपुर। थाना बर्रा पर आवेदिका प्रिया शुक्ला पुत्री अवधेश कुमार त्रिवेदी (सेवानिवृत्त उ0नि0 उ0प्र0 पुलिस) निवासी 308 आई विश्व बैंक बर्रा थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर नगर के द्वारा अपने पति विकास शुक्ला (फोरेस्ट गार्ड उ0प्र0 पुलिस) तथा ससुरालजानों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसमें दोनों पक्षों को चौकी बर्रा पर बुलाया गया। दौराने जांच पता चला कि इनके बेटे शिवाय शुक्ला का जन्मदिन है। तत्पश्चात इस बात को आधार बनाकर काफी समझाने बुझाने के बाद उभय पक्षों के बीच काफी समय से चले आ रहे विवाद का निपटारा कर सुलह समझौता कराया गया।
चौकी प्रभारी बर्रा उपनिरीक्षक विकास शर्मा व अन्य पुलिस बल के द्वारा सहानुभूति पूर्वक केक मंगाकर उभय पक्षों व उनके परिवारजनों के साथ शिवाय शुक्ला के जन्मदिन का केक काटा गया। जिससे दोनों परिवारों के बीच उत्पन्न विवाद की समाप्ति हुई। इस दौरान दोनों पक्षों की आंखों में खुशी के आंसू थे।

दिव्यांग महागठबंधन ने पुलिस कमिश्नर के नाम संबोधित ज्ञापन ए.डी.सी.पी. को सौंपा

8 अक्टूबर को गुजैनी पुलिस ने किया था हाथापाई व अभद्रता

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव वीरेन्द्र कुमार के साथ गुजैनी पुलिस द्वारा ने हांथा पाई, अभद्रता करने के खिलाफ पुलिस आयुक्त के नाम संबोधित ज्ञापन ए.डी.सी.पी. अतुल कुमार श्रीवास्तव को सौंपा।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव ईको गार्डेन लखनऊ में आयोजित बैठक में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया था। वीरेन्द्र कुमार कि पुलिस से भिड़ंत हो गई थी इसके बावजूद वीरेन्द्र कुमार पुलिस से पीछा छुड़ा कर महागठबंधन कि बैठक में शामिल होने लखनऊ चले गए थे। इस घटना से देश भर के दिव्यांग संगठनों ने रोष व्याप्त किया है और 13 अक्टूबर को हर जिले में प्रदेश व्यापी आवाहन पर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।दिव्यांग महागठबंधन कानपुर नगर ईकाई के अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, आनन्द तिवारी के नेतृत्व में पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया और दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कि मांग कि गयी। राहुल कुमार ने कहा कि पुलिस को पहले वीरेन्द्र कुमार को लिखित सूचना देनी चाहिए उसके बाद आगे कि कार्यवाही करनी चाहिए। लेकिन गुजैनी पुलिस मनमाने तरीके से वीरेन्द्र कुमार को हर 15 दिन 20 दिन में घर में रोक देती है। पुलिस न कारण बताती है और न ही कोई आदेश दिखाती है। ये सरासर अन्याय है पुलिस 6 अक्टूबर से वीरेन्द्र कुमार के पीछे लगी थी और कारण नहीं बता रही थी। अल्पना कुमारी ने कहा कि घटना मेरे सामने कि है पुलिस वीरेन्द्र कुमार को रोकने में अक्रामक हो गयी थी। हम अपने नेता का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आनन्द तिवारी ने कहा कि हम पुलिस के रवैया से क्षुब्द है। यही हालात रहे तो पूरे देश के दिव्यांग सड़कों पर उतरेंगे।ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, प्रदेश प्रवक्ता आनन्द तिवारी , अरविंद सिंह, वैभव दिक्षित, धर्मेंद्र, गुड्डी दीक्षित, गोमती वर्मा, सोनी, सरला , राम जानकी, पूजा, शंकर लाल, अशोक सरकार आदि शामिल थे।

सुन्दर है जग में सबसे, नाम भी न्यारा है ,जहां जाति-भाषा से बढ़कर, देश-प्रेम की धारा है

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला में बताए गुस्से पर काबू पाने के गुर

कानपुर। युवाओं में बढ़ती गुस्से की प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए मनोविज्ञान की सरल तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। यह संदेश पीपीएन पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में दिया गया। कार्यशाला का आयोजन विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

उन्होंने कहा कि युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य की मजबूती के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना और डिजिटल तकनीक का संतुलित प्रयोग करना आवश्यक है। परिवार, संस्था और समाज मिलकर ही युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त बना सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनूप कुमार सिंह ने परिवार और समाज की भूमिका को रेखांकित करते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर बल दिया। कार्यशाला में मनोसृजन संस्था के मनोवैज्ञानिक आशीष पांडे और उनकी टीम ने एंगर आइसबर्ग और एंगर बर्स्टजैसी तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक प्राप्त मेधावियों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही स्टार्टअप जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पूर्व विद्यार्थी तुषार त्रिवेदी (भारत टेक) और ऋचा शुक्ला (स्कारलेट ब्लिंक व नॉसीप्लास्ट) को भी सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता का परिचय डॉ. रिजवाना ने कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनु चौहान ने किया।

नए सीपी ने संभाला कार्यभार, बोले-अखिलेश दुबे जैसे माफिया पर होगी सख्त कार्रवाई, निकम्मे थानेदार हटेंगे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । अखिलेश दुबे हो या उसके जैसा कोई भी संगठित अपराध करने वाला माफिया, अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अपराधियों के खिलाफ एसआईटी के पास जो तहरीरें आईं हैं उनमें जल्द ही रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जनता को सुरक्षा का अहसास कराना और अपराध पर लगाम लगाना हमारी प्राथमिकता है। लापरवाह निकम्मे थानेदार हटाए जाएंगे। अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की ये हुंकार मंगलवार को नए सीपी रघुवीर लाल ने कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारवार्ता के दौरान भरी।

सीपी ने कहा कि बीते दिनों में माफिया के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई में और तेजी देखने को मिलेगी। कानून का उल्लंघन और दुरुपयोग करने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। यदि पुलिसकर्मी अपराध में शामिल होंगे तो उन्हें भी बख्शा नहीं जाएगा। महिला, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे। संवेदनशील स्थान या भीड़-भाड़ वाली हर जगह पर पुलिसकर्मी नजर आएंगे। थाना स्तर पर सुनवाई जरूरी है। थाने से पीड़ितों को लौटाने की प्रथा खत्म होनी चाहिए। सुनवाई न होने की शिकायत लेकर फरियादी कमिश्नर कार्यालय आए तो थानेदार पर कार्रवाई होगी ।थानेदार की तैनाती उसकी उपलब्धता, कार्यक्षमता के आधार पर होगी। सिफारिश के दम पर थाना पाने वाले जल्द हटेंगे। ट्रैफिक की व्यवस्था सुधारने के लिए जनता को जागरूक करने के बाद सहयोग लिया जाएगा। इस काम में नगर निगम और आरटीओ की भी मदद ली जाएगी।

साइबर ठगों से निपटने के लिए अभियान चलाया जाएगा। पुलिसकर्मियों को साइबर ठगों से निपटने के लिए आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (एआई) सिखाया जा रहा है। बीएनएस लागू होने के बाद डिजिटल साक्ष्य अहम हो गए हैं। इन्हें जुटाने, संरक्षित करने के बारे में पुलिसकर्मियों को समय-समय पर प्रशिक्षित किया जाएगा। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

धोखाधड़ी का आरोपी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी का निदेशक गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर ।चेन्नई की ब्रॉड बैंड कंपनी ने ब्रॉड बैंड सेवाओं के विस्तार के लिए करार किया था। अगस्त 2018 को बिना सूचना करार तोड़ने व कंपनी की दो कारें न लौटाने का आरोप है।

कर्नलगंज पुलिस ने इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के निदेशक मो. शाहिद (आप पार्टी के अल्पसंख्यक विंग का प्रदेश उपाध्यक्ष) को धोखाधड़ी के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ 14 अगस्त 2025 को आपराधिक विश्वासघात की एफआईआर हुई थी। तब से वह फरार था ।चेन्नई की ब्रॉड बैंड कंपनी के प्रतिनिधि सुभाष दीक्षित ने कर्नलगंज थाने में इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के निदेशक मो. शाहिद और सैय्यद मोहम्मद अनवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने ब्रॉड बैंड सेवा के विस्तार के लिए इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी से करार किया। दोनों की ओर से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए।

कंपनी की ओर से निदेशक को दो कारें भी दी गईं थीं। सुभाष का आरोप है कि 14 अगस्त 2018 को इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी ने बिना सूचना दिए एमओयू तोड़ लिया। कारें भी नहीं लौटाईं। कर्नलगंज थाना प्रभारी विनीत कुमार ने बताया कि जाजमऊ निवासी मो. शाहिद को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच चल रही है। करार रतन स्क्वायर चुन्नीगंज के पास हुआ था। वही घटना स्थल भी है।

बढ़ी धाराओं में भी अखिलेश दुबे को मिली जमानत, अधिवक्ता संदीप ने दर्ज कराई थी रंगदारी की रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पिछले एक माह से जेल में बंद अखिलेश दुबे को बड़ी राहत मिली है। कोतवाली में अधिवक्ता संदीप शुक्ला की ओर से दर्ज कराए गए रंगदारी के मुकदमे में विवेचक द्वारा बढ़ाई गई धाराओं में भी अखिलेश को अपर जिला जज प्रथम सुदामा प्रसाद की अदालत से जमानत मिल गई है। ऐसे में उसके जल्द जेल से बाहर आने को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं हैं ।कोतवाली में अधिवक्ता संदीप शुक्ला ने अखिलेश दुबे व पप्पू स्मार्ट समेत 10 नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि उन्होंने राजा ययाति के किले और लोक निर्माण विभाग की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले हिस्ट्रीशीटर पप्पू स्मार्ट के गिरोह के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि रंजिश मानकर गिरोह के लोगों ने अखिलेश दुबे के साथ मिलकर उन्हें पॉक्सो एक्ट के दो झूठे मुकदमों में फंसा दिया। इन्हें खत्म कराने के नाम पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी ।प्रतिष्ठा बचाने के लिए उन्होंने एक लाख रुपये दिए। इसके बाद भी यह लोग नहीं रुके। इस मामले में पुलिस ने रंगदारी वसूलने, गाली-गलौज और धमकाने के आरोप में धारा 388, 504 व 506 में रिपोर्ट दर्ज की थी। इस मुकदमे में अखिलेश को दो सितंबर को सेशन कोर्ट से जमानत मिल गई थी। विवेचक ने इस मुकदमे में किसी को चोट पहुंचाने के इरादे से झूठा आरोप लगाने और झूठे साक्ष्य गढ़ने से संबंधित दो अन्य धाराएं 195 व 211 की बढ़ोतरी की थी। अखिलेश की ओर से दोबारा जमानत अर्जी दाखिल की गई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अखिलेश की बढ़ी हुई धाराओं में भी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

नशीली दवाओं की तलाश में छापा, मिलीं पांच लाख की नकली दवाएं व 29 लाख नकद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पंजाब पुलिस की शिकायत पर ड्रग विभाग व पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से बिरहाना रोड स्थित फर्म पर छापा मारा। फर्म का निदेशक मौके से भाग निकला।

नशीली दवाओं की शिकायत पर ड्रग विभाग, पंजाब के नारकोटिक्स विभाग व स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से मंगलवार को बिरहाना रोड स्थित एक फर्म पर छापा मारा। इस दौरान फर्म से पांच लाख रुपये की नकली दवाएं बरामद हुईं। इतना ही नहीं यहां नकली दवाओं पर बैच नंबर, एक्सपायरी तिथि और एमआरपी भी प्रिंट की जा रही थी। मौके पर प्रिंटर भी बरामद हुआ है। विभाग ने 29 लाख रुपये और पांच लाख की दवाइयां जब्त की हैं। फार्म का निदेशक मौके से भाग निकला।

पंजाब में बिरहाना रोड के नील वाली गली स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा के यहां से नशीली दवाइयां बेचने की शिकायत पंजाब पुलिस ने शहर के ड्रग विभाग में की थी। इसके बाद मंगलवार को ड्रग विभाग के इंस्पेक्टर ओमपाल, रेखा सचान, कानपुर देहात के ड्रग इंस्पेक्टर अजय कुमार, एंटीनारकोटिक्स टास्क फोर्स, लुधियाना रेंज, पंजाब व कानपुर

पुलिस की संयुक्त टीम ने सुबह साढ़े दस बजे फर्म पर छापा मारा। नीचे फर्म चल रही थी और ऊपर परिवार रहता मिला। घर से भी सारा काम किया जा रहा था। करीब चार घंटे तक चली जांच में फर्म से पांच लाख रुपये की नकली दवाएं, नकली दवाओं के रैपर, उनके बॉक्स मिले। दवाओं के रैपर पर बैच नंबर, एक्सपायरी तिथि व एमआरपी डालने के लिए एक मिनी पोर्टेबल प्रिंटर बरामद हुआ। इसके अलावा खाली बॉक्स, लेबल भी मिले हैं। 25 लाख रुपये की नकद राशि बरामद हुई ।ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान ने बताया कि छापे के दौरान फर्म का मालिक राहुल अग्रवाल मौजूद था। उसने दावे के साथ कहा कि वह नशीली दवाएं नहीं बेचता है। दुकान एकदम साफ-सुथरी मिली। इस पर टीम को शक हुआ और तीसरे माले पर बने राहुल के घर में जब छापा मारा गया तो वहां से नकली दवाएं बरामद हुईं। इस दौरान राहुल मौके से भाग निकला। घर पर उनकी पत्नी मिली जिसने कोई जानकारी न होने की बात कही।

टीम को मौके पर नशीली दवाएं तो नहीं लेकिन पांच लाख रुपये की नकली दवाएं मिलीं। यह उसके घर में ही तैयार की गई थीं। इन दवाओं के खरीदने व बेचने के भी कोई साक्ष्य नहीं मिले। इनके पास कोई बिल नहीं था। कैश गिनने वाली मशीन और 29 लाख रुपये कैश भी बरामद हुआ है। सुबह साढ़े दस बजे से शुरू हुई जांच रात दस बजे तक चली। दवाओं के सैंपल जांच के लिए भेजेंगे और फर्म के मालिक पर एफआईआर भी दर्ज कराएंगे।

ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल ने बताया कि मौके पर मिले तथ्यों के अनुसार प्रतीत हो रहा है कि यहां पर नकली दवाएं बनाई जाती हैं और उनको पैक करने का काम भी होता है। इतना ही नहीं यहां एक्सपायरी दवाओं की एक्सपायरी डेट मिटाकर उन पर फिर से नई तारीख के लेबल लगाए गए हैं। सभी चीजों को जब्त कर लिया गया है।

राहुल की फर्म में गैस, पेट दर्द, बुखार, एंटीबायोटिक टैबलेट व इंजेक्शन सहित छह तरह की नकली दवाएं मिली हैं। इनकी कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है। राहुल के घर में ही नकली दवाओं की लेबलिंग की जाती थी। इन्हें ब्रांडेड दवाओं के बॉक्स में रखा जाता था। नामी कंपनियों के यह बॉक्स घर में ही प्रिंट किए जाते थे। टीम का अनुमान है कि यह दवाएं कहीं पर तैयार की जा रही थीं या फिर इन दवाओं को कहीं से खरीदकर उन्हें नामी दवा कंपनियों के नाम पर बनाए बॉक्स में रखकर बेचा जा रहा था। इन दवाओं की सप्लाई ग्रामीण क्षेत्र में होने की

शताब्दी एक्सप्रेस से सब्जी विक्रेता की कटकर मौत, 21 मिनट खड़ी रही ट्रेन, इंजन से पांचवें कोच में फंसा शव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गंगाघाट रेलवे स्टेशन के निकट क्रॉसिंग पर चाय लेने जा रहे सब्जी विक्रेता की मंगलवार को लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में मौत हो गई। उसका शव इंजन से पांचवें कोच में शव फंस गया। लोको पायलट ने ट्रेन रोककर कंट्रोल को सूचना दी। आरपीएफ और जीआरपी ने किसी तरह शव को निकाला। इस दौरान ट्रेन 21 मिनट तक खड़ी रही ।राजीवनगर खंती निवासी श्रीराम (45) उर्फ पप्पू गंगाघाट रेलवे क्रॉसिंग पार कर चाय की दुकान की ओर जा रहा था। इसी दौरान शताब्दी एक्सप्रेस आ गई। श्रीराम इंजन से टकरा कर इंजन से पांचवें नंबर के कोच के नीचे जा फंसा। इस दौरान ट्रेन पुराने रेल गंगापुल पर पहुंच चुकी थी। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी और कंट्रोल को जानकारी दी। भांजी पिंकी ने बताया कि मामा काफी दिनों से पेट की बीमारी से पीड़ित थे। वह अपनी मां और बहन के साथ सब्जी बेचकर गुजर बसर करते थे। बताया कि मामा ने कई साल पहले पत्नी और बच्चों को छोड़ दिया था ।आरपीएफ के एएसआई गुप्तार सिंह ने बताया कि ट्रेन 4.34 पर आई थी। कोच के नीचे शव फंसा था। करीब 21 मिनट तक शताब्दी एक्सप्रेस खड़ी रही। इसकी वजह से लखनऊ से कानपुर जाने वाली मेमो ट्रेन, गोरखपुर यशवंतपुर एक्सप्रेस ट्रेन समेत चार ट्रेनें रेलवे स्टेशन पर रुकी रहीं।

ऑनलाइन लॉटरी खिलाने के आरोपी भाइयों को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर ।गिरोह के सदस्य कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जौनपुर में सक्रिय हैं। बाकी की तलाश तेज कर दी गई है। आरोपी शून्य से नौ नंबर तक का टिकट जारी करते थे। एसटीएफ ने मंगलवार को किदवईनगर से ऑनलाइन लॉटरी खिलवाने वाले दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों वेबसाइट के माध्यम से शून्य से नौ नंबर तक का टिकट जारी करते थे। इसी के माध्यम से लॉटरी लिखवाई जा रही थी। पुलिस ने उनके पास से कई मोबाइल, लैपटॉप, आधारकार्ड, पैनकार्ड और अन्य कूटरचित दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपियों का नेटवर्क कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जौनपुर तक फैला है। एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि कई शहरों में वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन लॉटरी खिलाने की सूचनाएं आ रहीं थीं। टीमों को सक्रिय किया गया जिसमें किदवईनगर क्षेत्र से वेबसाइट के ऑपरेट होने का पता चला। इस आधार पर किदवईनगर से रजत केसरी और उसके भाई किशन केसरी को गिरफ्तार किया।

दोनों मूलरूप से वाराणसी के मडुवाडीह के लहरतारा रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में

आरोपियों ने बताया कि दोनों कानपुर में नौकरी करने के बाद 2022 में मौसा महेंद्र केसर के पास पुणे चले गए। यहां वेबट्रान टेक्नालॉजी प्रा.लि. के निदेशक रजनीश कुमार दुबे से वेबसाइट बनवाई। उसी के माध्यम से ऑनलाइन गेमिंग और लाटरी का काम करने लगे। अलग-अलग जगहों पर काउंटर बनवाए। पुलिस के अनुसार जीतने पर 10 गुना धन देने का लालच दिया जाता था। खेल में व्हाट्सएप के माध्यम से शून्य से नौ नंबर तक के टिकट बुक किए जाते हैं। काउंटर चलाने वाले उन नंबरों को अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजते हैं। इसके बाद डेटा फीड कर दिया जाता है। करीब 20 मिनट बाद जिस नंबर का टिकट सबसे कम खरीदा गया होता है साफ्टवेयर के माध्यम से वेबसाइट पर वही नंबर का रिजल्ट प्रकाशित होता है। इस खेल के लिए कूटरचित दस्तावेज बना सिमकार्ड का इस्तेमाल हो रहा है। महेंद्र केसरी के कहने पर ही कई फर्म बनाई गईं हैं। इन्हीं के नाम से बैंक खाते खोले गए। इनमें ठगी से आने वाले रुपयों का लेनदेन होता है। गिरोह में महेन्द्र केसरी, संदीप कटारिया, शिवम केसरी, सत्यम केसरी, संदीप पाठक शामिल हैं।

श्रद्धा दीक्षित ने एक दिन की जिलाधिकारी के रूप में किया कार्य

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कुमारी श्रद्धा दीक्षित ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल परीक्षा में 600 में से 581 अंक (96.83प्रतिशत) प्राप्त कर जनपद में टॉपर का स्थान प्राप्त किया था। उनकी इस उपलब्धि के सम्मान में उन्हें सांकेतिक जिलाधिकारी के रूप में जिला प्रशासन, कानपुर नगर द्वारा यह दायित्व सौंपा गया। एक दिन की जिलाधिकारी के रूप में श्रद्धा दीक्षित ने जनता की शिकायतें सुनीं तथा उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके उत्साह एवं संवेदनशीलता की सराहना की। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक समझ विकसित करना है। श्रद्धा दीक्षित जैसी प्रतिभाशाली बालिकाएं आने वाले समय में समाज और शासन की दिशा निर्धारित करेंगी।जनसुनवाई के दौरान

सांकेतिक जिलाधिकारी श्रद्धा दीक्षित के समक्ष मीरपुर छावनी, थाना रेलबाजार निवासी अनीसा पत्नी मोहम्मद सईद द्वारा अपने आवास से संबंधित भूमि विवाद की शिकायत प्रस्तुत की गई। प्रार्थिनी ने बताया कि कुछ स्थानीय व्यक्तियों द्वारा उनके मकान के सामने अवैध रूप से रास्ता बनाकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है तथा विरोध करने पर उन्हें डराया-धमकाया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि शिकायत के बावजूद पुलिस द्वारा उचित कार्यवाही नहीं की जा रही है।

संदिग्ध हालात में युवक का फंदे से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर ।रावतपुर के शिवनगर चूड़ी वाली गली निवासी अंकित गुप्ता का शव संदिग्ध हालात में साड़ी से बने फंदे से लटका मिला। घटना के समय पत्नी प्रिया मायके में थी। अंकित अपनी पत्नी प्रिया और आठ माह की बेटी के साथ रहता था। दादानगर फैक्टरी में काम करता था। तीन अक्तूबर को पारिवारिक कलह से परेशान होकर पत्नी प्रिया मायके पुखरायां चली गई। रविवार दोपहर पड़ोसी कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंकित का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पत्नी प्रिया भी आठ माह की बेटी के साथ घर पहुंची। परिजनों ने बताया कि अंकित शराब का लती था। इंस्पेक्टर केके मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कर्मचारियों द्वारा संयुक्त शिक्षा निदेशक, मण्डल कार्यालय पर धरना/प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर संघ के मण्डलीय एवं जनपदीय पदाधिकारियों, सक्रिय कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन के माध्यम से शिक्षक/कर्मचारियों की समस्याओं का संयुक्त शिक्षा निदेशक कानपुर मण्डल कानपुर को ज्ञापन प्रेषित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षकों/कर्मचारियों द्वारा संयुक्त शिक्षा निदेशक, कानपुर मण्डल, कानपुर के कार्यालय

पर धरना/प्रदर्शन करके संयुक्त शिक्षा निदेशक, कानपुर मण्डल, कानपुर को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से 18 माह की महँगाई भत्ता दिये जाने नगर प्रतिकर भत्ता बहाल किये जाने परिवार कल्याण प्रोत्साहन भत्ता पुनः लागू करने, नोशनल वेतनवृद्धि का अवशेष सेवानिवृत्त तिथि से दिये जाने, ग्रेच्युटी की धनराशि रू0 25,00,000/- किये जाने सहित 21 सूत्रीय माँग पत्र भेजा गया।

उक्त के साथ-साथ माध्यमिक विद्यालयों के जर्जर भवनों की मरम्मत कराये जाने, अलंकार योजना का प्रबन्धकीय अंशदान संस्कृत विद्यालयो की भांति 5 प्रतिशत किये जाने की माँग उठायी गयी तथा उ0प्र0 सरकार से आग्रह किया गया कि यथाशीघ्र माँग पूरी न होने पर धरने में यह भी घोषणा की गयी कि यदि समस्याओं का समाधान शीघ्र न किया गय तो आगामी 17 नवम्बर 2025 को शिक्षा निदेशक कार्यालय में विशाल

धरना आयोजित किया जायेगा एवं मा0 मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा। धरने में प्रमुख रूप से हरिश्चन्द्र दीक्षित के अलावा प्रान्तीय नेता मोहन कृष्ण द्विवेदी, अफजाल अहमद, इक्तिहार अहमद, सुप्रिया मिश्रा, मुन्नी देवी, शिव बहादुर यादव, पंकज वर्मा, उमेश चन्द्र, आलोक अग्निहोत्री, वीरेन्द्र मिश्रा, शिव कुमार कटियार, अशोक तिवारी, अनिल मिश्रा, राजीव शुक्ला आदि मौजूद थे।

बाजार में वसूली को लेकर पूर्व प्रधान ने बेटे और दो साथियों के साथ मिलकर की पूर्व बीडीसी की हत्या

» बीपीएस न्यूज

उन्नाव ।औरास थानाक्षेत्र के मर्दनखेड़ा गांव में रविवार रात आठ बजे बाजार में वसूली को पूर्व प्रधान ने अपने बेटे और दो साथियों के साथ मिलकर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य की पीट–पीटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी भाग निकले। गांव के युवक की सूचना पर परिजन घायल को स्वास्थ्य केंद्र लाए जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हत्या की सूचना पर एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद्र और सीओ संतोष सिंह ने फोर्स के साथ घटनास्थल पर जांच की। मृतक के बेटे की तहरीर पर पूर्व प्रधान सहित चार पर हत्या, मारपीट सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस एक को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

कानपुर से रवाना हुईं भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए की टीमें

कानपुर। ग्रीन पार्क स्टेडियम में संपन्न हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद सोमवार को भारत–ए और ऑस्ट्रेलिया–ए की टीमें कानपुर से रवाना हो गईं। दोनों टीमें बस के माध्यम से लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना हुईं। भारतीय टीम में अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, तिलक वर्मा समेत कई खिलाड़ी शामिल रहे। वहीं ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाड़ी भी अपने दल के साथ मौजूद रहे। रवाना होने से पहले कुछ भारतीय खिलाड़ी चकेरी हवाई अड्डे से सीधे बेंगलुरु के लिए उड़ान भर गए। बताते चलें कि ग्रीन पार्क में खेली गई।

बिरहाना रोड दवा मार्केट से लिए गए सैंपल, नहीं मिला कोल्ड्रिफ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मध्य प्रदेश और हरियाणा में बच्चों की मौत के बाद शासन ने प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। सोमवार को ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान ने भौंती स्थित ड्रग वेयर हाउस और ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह ने बिरहाना रोड स्थित शीलू डिस्ट्रीब्यूटर्स और सपना मेडिकल एजेंसी में जांच की।

दोनों स्थानों से कफ सिरप चार–चार सैंपल लिए गए। यह सिरप प्रोमेथेजीन हाइड्रो क्लोराइड और एम्ब्रोक्सिल हाइड्रोक्लोराइड सॉल्ट के हैं। इन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है। यहां कोल्ड्रिफ कप सिरप नहीं मिला।

मासूम को स्कूल में बंद कर चले गए शिक्षक, दो घंटे तक बंद कमरे में रोती रही बच्ची

» बीपीएस न्यूज

औरैया। एक गांव स्थित एक कंपोजिट विद्यालय में सोमवार को एक मासूम को छुट्टी में शिक्षक स्कूल में ताला लगाकर चले गए। वो अपने भाई के संग स्कूल आई थी। बंद कमरे में वो रोते हुए खिड़की के पास बैठ गई। गनीमत यह रही कि वहां से गुजरे बच्चों की उस पर नजर पड़ी तो परिजनों को खबर दी, हालांकि जानकारी पाकर पहुंचे शिक्षक ने ताला खोलकर उसे बाहर निकाला। ऐसे में वो करीब दो घंटे तक बंद कमरे में रोती रही। इसी बीच किसी ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो से शिक्षा विभाग में खलबली है।गांव कन्हो में कंपोजिट विद्यालय है। सोमवार शाम गांव के कुछ बच्चे स्कूल की ओर खेलने गए तो वहां स्कूल के कमरे की खिड़की में बैठी एक चार वर्षीय बालिका को रोते देखा। पूछताछ में उसने अपना नाम तन्नू बताया। बच्चों ने इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। इस पर बालिका के पिता शिवरतन सिंह, देव सिंह, भोले सिंह, गौरव व मनोज गुप्ता के साथ स्कूल पहुंचे। उन्होंने शिक्षक रामचंद्र को फोन कर बालिका के स्कूल में बंद होने की सूचना दी। तब पहुंचे शिक्षक ने ताला खोलकर बालिका को बाहर निकाला। कक्षा चार का छात्र प्रियांशु अपनी छोटी बहन तन्नू को स्कूल लेकर आया था बच्ची खेलते–खेलते सो गई। प्रियांशु छुट्टी के समय उसे भूल गया। बालिका लगभग दो घंटे तक स्कूल में बंद रही। विद्यालय स्टाफ की लापरवाही से ग्रामीणों में गुस्सा था। उन्होंने जिला प्रशासन से लापरवाही की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कंपोजिट विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक ऊषा ने बताया कि बालिका का स्कूल में नाम नहीं लिखा है। वह स्कूल में पढ़ने वाले अपने घर के बच्चों के साथ आई होगी। उसके सो जाने के कारण स्टाफ नहीं देख पाया और वह स्कूल में रह गई। खंड शिक्षा अधिकारी अछल्दा प्रवीन कुमार ने बताया कि इसकी जानकारी की जा रही है। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा , शिक्षिका डॉ . रचना सिंह को दिल्ली में मिला गाँधी पीस इंटरनेशनल अवार्ड

महात्मा गांधी के जीवन से राष्ट्र सेवा का सबक सीखें : सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा

» बीपीएस न्यूज

उन्नाव। ग्रीन भारत अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति अनवरत किए जा रहे जुझारू प्रयासों हेतु उन्नाव पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व , बच्चों की ग्रीन आर्मी बना समुदाय में जागरूकता अभियान चला रही कटरी पीपरखेड़ा, कंपोजिट विद्यालय उन्नाव में कार्यरत राज्य पुरुस्कार प्राप्त शिक्षिका एवं एस .आर.जी. डॉ .रचना सिंह को ए बी एम फाउंडेशनके संस्थापक अमोल भगत द्वारा नई दिल्ली स्थित राजा राम मोहन राय मेमोरियल आडियोटोरियम में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि बॉलीवुड अभिनेता सुमित मलाहान द्वारा गाँधी पीस इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया ।आयोजक अमोल भगत ने बताया कि सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगे देश प्रदेश के 25 लोगों को यह सम्मान प्रदान किया गया।

सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व को यह सम्मान विभिन्न जनपदों में पर्यावरण के प्रति चलाए जा रहे उनके अभियान,वृक्षारोपण के कार्यों में उनके अभूतपूर्व योगदान, बाल चौपाल के जरिये जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए तथा शिक्षिका डॉ रचना सिंह को यह सम्मान जनपद में पर्यावरण जागरूकता की उनकी मुहिम तथा अपने विद्यालय सहित कई विद्यालयों में वृक्षारोपण के प्रयासों और अधिक से अधिक पौधारोपण कार्यक्रम संयोजित करवाने के कार्यों को देखते हुए प्रदान किया गया ।इस सम्मान को प्राप्त करने पर अनूप मिश्रा अपूर्व और डा रचना सिंह ने ए बी एम परिवार का आभार व्यक्त किया । अनूप ने कहा कि पेड़ों की रक्षा में हमें अपना अधिक से अधिक योगदान देना चाहिए। गाँधी जी के सत्य , अहिंसा , त्याग और कर्मयोग के सेवापथ से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा के लिए हम सभी को आगे आना चाहिए, जिम्मेदार नागरिक एक सशक्त राष्ट्र की पहचान है जिसका राष्ट्र सेवा में बहुत बड़ा योगदान होता है। हमारी पहचान हमारे देश से बनती है और हमसे ही हमारा देश है। केवल सरकार द्वारा नियम कानून बनाना या अभियान एवं कार्यक्रम चलाना पर्याप्त नहीं है, यदि हम अपने देश को ऊंचाइयों के शिखर पर देखना चाहते हैं तो देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी पालन करना होगा। डा रचना सिंह ने कहा कि एक शिक्षक होने के नाते हमारा पूरा जीवन ही दायित्व से भरा हुआ है। शिक्षक केवल छात्र का भविष्य ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। कार्यक्रम में रीना पाण्डेय, ओम प्रकाश सिंह सहित देश प्रदेश की कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं।

चरित्र के संदेह में पत्नी की हत्या के बाद पति ने फंदा लगा दी जान, जांच में जुटी पुलिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पत्नी की हत्या के बाद पति ने मौत को गले लगा लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। महाराजपुर थानाक्षेत्र के सरसौल रेलवे स्टेशन किनारे बंबुरिहा गांव में पति ने पारिवारिक कलह और पत्नी पर चरित्र के संदेह में हत्या करने के बाद खुद दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटक जान दे दी। मृतक के छोटे भाई रामबाबू ने बताया कि बड़े भाई श्रीबाबू (35) का पहला विवाह 2009 में शाहपुर साढ़ क्षेत्र में ननकी के साथ हुआ था। पहली पत्नी कई वर्षों पहले छोड़कर किसी अन्य रिश्तेदार के साथ चली गई थी ।जिसके बाद श्रीबाबू अपने दो बेटियो ननकी तथा लली के साथ रहता था। 2018 मार्च में श्रीबाबू ने दूसरा विवाह शांति गौतम के साथ किया था। जानकारी के मुताबिक शांति ने भी अपने पहले पति को छोड़कर श्रीबाबू से विवाह किया था। जिनसे तीन बच्चे नित्या, अंकुश और अर्पित हुए। श्रीबाबू मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि करीब तीन माह पहले से एक अनजान व्यक्ति द्वारा फोन पर शांति से बात की जाती थी तथा वह उसी व्यक्ति के साथ जाने की जिद करते हुए आए दिन लड़ाई झगड़ा करती थी ।महीनों से चली आ रही पारिवारिक कलह ने बीती रात बड़ा रूप ले लिया। बेटी लली ने बताया कि मम्मी–पापा का झगड़ा हो रहा था जिसके बाद हम चारों लोग सो गए थे। सुबह जब जगे तो पापा घर के बाहर छत की धन्नी से लटके हुए थे तथा मम्मी नीचे चारपाई पर पड़ी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल करते हुए साक्ष्य एकत्रित किए तथा दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फर्जी अधिकारी बन करने लगा ठगी, गया जेल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्जी आईआरएस अधिकारी बनकर चकेरी में शराब ठेका दिलाने के नाम पर छह लाख रुपये की ठगी करने के आरोपी दिव्यांश श्रीवास्तव को पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया। ठग के पास से बरामद कार सीज कर दी गई। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि दिव्यांश का प्रतियोगी परीक्षा में चयन नहीं हुआ तो वह फर्जी अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने लगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से पहले वह मर्चेंट नेवी मुंबई में नौकरी करता था। कर्मचारीनगर निवासी हिमांशु सक्सेना ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि श्यामनगर निवासी दिव्यांश श्रीवास्तव से उनकी मुलाकात अगस्त 2023 में हुई थी। आरोपी ने खुद को आईआरएस का अधिकारी बताया था। दिव्यांश भारत सरकार लिखी कार से वर्दी पहनकर चलता और क्षेत्र में रौब गांठता था। हिमांशु ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उनसे शराब ठेका दिलाने के नाम पर 6 लाख रुपये की ठगी की थी। दिव्यांश अपने परिवार के साथ डी– ब्लॉक श्यामनगर में रहता है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि कुछ साल पहले मर्चेन्ट नेवी में था। नौकरी छोड़ कर सिविल सर्विसेज की तैयारी की लेकिन सिलेक्शन नहीं हो पा रहा था।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने आईआरएस विभाग के बारे में और पदों के बारे में जानकारी की थी। रुपयों की जरूरत के चलते फर्जी आईआरएस अधिकारी बनकर ठगी शुरू कर दी।

उसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेरा गया है ।आबकारी विभाग में लगवाने का दिया था झांसा

पुलिस के मुताबिक हिमांशु के अलावा उसके दोस्त कृष्णानगर निवासी शिवम गोगिया को

ठग दिव्यांश ने आबकारी विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। इसके चलते आरोपी ने दोनों से रुपयों की ठगी की थी। हिमांशु को ठेके का फर्जी लाइसेंस और शिवम को आबकारी विभाग में नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र दिया

ने जब रविवार रात आरोपी को हिरासत में लिया तो इस दौरान उसने पुलिसकर्मियों को भी दबाव में लेने का प्रयास किया। ठग ने पुलिसकर्मियों पर दबाव बनाने के लिए उनका ट्रांसफर तक करा देने की धमकी दी। पुलिस कर्मियों से अंग्रेजी में सवाल–जवाब शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार इन पीड़ितों के अलावा कई अन्य से भी आरोपी ने ठगी की है। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

रघुवीर लाल बनाए गए कानपुर के नए पुलिस कमिश्नर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर के नए पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल बनाए गए हैं। रघुवीर लाल 1997 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वह मौजूदा समय में एडीजी सुरक्षा के पद पर तैनात हैं। वह अखिल कुमार की जगह लेंगे। अखिल कुमार का बीते दिनों तबादला कर दिया गया था। अखिल कुमार की तबादला 25 अगस्त को केंद्र में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन में प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर हुआ था। गृह विभाग ने 29 अगस्त को प्रदेश सरकार को पत्र भेजकर अखिल कुमार को तत्काल केंद्र सरकार के लिए रिलीव करने का आदेश भी दिया था।

रघुवीर लाल मूल रूप से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के रहने वाले हैं। वह लंबे समय तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रह चुके हैं। लोकसभा सचिवालय की सुरक्षा में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात रह चुके हैं। लखनऊ के पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने से पहले रघुवीर लाल राजधानी के पहले और आखिरी एसपी कानून व्यवस्था थे।

कोनासीमा जिले में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, सात लोगों की मौत

पुलिस के अनुसार हादसे के वक्त फैक्टरी में 40 मजदूर काम कर रहे थे

बीपीएस न्यूज

राजमुंदरी। आंध्र प्रदेश के अंबेडकर कोनसीमा जिले के रायवरम मंडल के कोमारीपालेम गांव में लक्ष्मी गणपति पटाखा फैक्टरी में बुधवार को विस्फोट के बाद आग लग गई। इस भीषण हादसे में छह लोग जिंदा जल गए, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। फायरवर्क्स के मालिक वेलुगु बंटी सत्यनारायण मूर्ति मौके पर मृत पाए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

पुलिस के अनुसार हादसे के वक्त फैक्टरी में 40 मजदूर काम कर रहे थे। भीषण विस्फोट के कारण पटाखा निर्माण इकाई के शेड की दीवार ढह गई। बताया जा रहा है कि कुछ और लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। रामचंद्रपुरम के आरडीओ अखिल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। लक्ष्मी गणपति फायरवर्क्स के मालिक वेलुगु बंटी सत्यनारायण मूर्ति मौके पर मृत पाए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।लक्ष्मी गणपति फायरवर्क्स सत्तर साल पुरानी पटाखा निर्माण इकाई है। इस औद्योगिक क्षेत्र को आंध्र प्रदेश का मिनी शिवकाशी कहा जाता है।

जिलाधीश महेश कुमार ने बताया कि स्थानीय पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने एक हफ़्ते पहले पटाखा निर्माण केंद्र का निरीक्षण करके बताया था कि सभी सुरक्षा उपाय लागू थे। उन्होंने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि गोदाम मालिकों ने आग से बचाव के उपकरणों का सही इस्तेमाल किया था या नहीं। उन्होंने कहा कि वे दुर्घटना के कारणों का पता लगा रहे हैं। गंभीर रूप से घायलों में से दो को अनापर्थी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बाकी को निजी अस्पतालों में ले जाया गया। घटनास्थल पर पहुंचे दमकल जवानों ने बचाव अभियान शुरू किया है।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा कि कोनासीमा जिले के रायवरम में बाना सांचा निर्माण केंद्र में आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया है। इस दुखद दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने से अपार दु:ख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत उपायों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है। मैंने वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल का दौरा करने और राहत कार्यों में भाग लेने का निर्देश दिया है। मैंने सलाह दी है कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए। हम प्रभावित परिवारों के साथ हैं।दूसरी ओर, गृह मंत्री अनीता ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने जिले के एसपी और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से बात की। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के आदेश दिए। मंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर एलपीजी सिलेंडर ले जा रहे ट्रक से टकराया टैंकर, आग लगने से सिलेंडरों में धमाका, एक की मौत

बीपीएस न्यूज

जयपुर–अजमेर राजमार्ग पर दूदू के पास मंगलवार रात टैंकर की टक्कर के बाद गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक में आग लग गई। इस घटना में 40 से ज्यादा सिलेंडर एक के बाद एक फट गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार हादसे में टैंकर का चालक जिंदा जल गया और एक व्यक्ति घायल हो गया। जयपुर के जिलाधिकारी डॉ. जितेंद्र सोनी ने बताया कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम की एक टीम ने सुरक्षा प्रोटोकॉल और व्यवस्था का पालन करते हुए बचे हुए सभी सिलेंडर हटा दिए हैं।उन्होंने बताया, ''इलाके के आसपास 42 सिलेंडरों के अवशेष या टुकड़े मिले। ये सभी फटे हुए सिलेंडर थे। 120 सिलेंडर सुरक्षित थे। हिंदुस्तान पेट्रोलियम की टीम ने सभी सुरक्षा उपायों और इलाके को सैनिटाइज करने के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए इन्हें वहां से हटा दिया।मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार रात

सिलेंडर ले जा रहा ट्रक सड़क किनारे एक ढाबे के बाहर खड़ा था। चालक खाना खाने गया था, तभी एक टैंकर ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टैंकर के केबिन में आग लग गई और सिलेंडर ट्रक से बाहर बिखर गए। आग लगते ही इलाके के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। कुछ ही देर बाद सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे। कुछ फटे सिलेंडरों के टुकड़े कई मीटर दूर पाए गए।आग की लपटें और धमाके कई किलोमीटर दूर से दिखाई और सुनाई दे रहे थे। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और राजमार्ग पर यातायात तुरंत रोक दिया गया। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा भी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे।

छत्तीसगढ़ के आरकेएम पॉवर प्लांट में लिफ्ट गिरने से चार मजदूरों की मौत, छह घायल

बीपीएस न्यूज

कोरबा/सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिला में स्थित आरकेएम पॉवर प्लांट में लिफ्ट गिरने से 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 6 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को रायगढ़ रेफर कर दिया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक हरीश यादव ने बुधवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मंगलवार की देर रात सफाई और बॉयलर मशीन की मरम्मत के लिए मजदूर लिफ्ट से ऊपर जा रहे थे, तभी लिफ्ट का चैन टूट गया और करीब 40 मीटर की ऊंचाई से लिफ्ट नीचे गिर गई। हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 मजदूरों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य 6 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें रायगढ़ अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार मृतक मजदूरों में अंजनी कुमार कनोजिया (29) निवासी सोनभद्र उत्तर प्रदेश, मिश्री लाल (45), सोनभद्र, उत्तर प्रदेश, रविन्द्र कुमार (35) निवासी झारखंड और बबलू प्रसाद गुप्ता (26) निवासी सोनभद्र उत्तर प्रदेश शामिल हैं।घायल मजदूरों में विजय सिंह (32) सोनभद्र उत्तर प्रदेश, रामसिंह (27) सोनभद्र उत्तर प्रदेश, संजय कुमार (22) सोनभद्र उत्तर प्रदेश , रामकेश (26) सोनभद्र उत्तर प्रदेश, बलराम (38) उत्तर प्रदेश और रतन सिंह (34) उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

घटना के बाद से मजदूरों में भारी आक्रोश है। तनाव की स्थिति को देखते हुए पॉवर प्लांट और उसके आपपास पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

रामपुर पहुंचे अखिलेश यादव ने आजम खां से की मुलाकात,सपा कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा

बीपीएस न्यूज

रामपुर। सपा सुप्रीमो और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को रामपुर पहुंचे। उनके आने से कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। रामपुर पहुंचते ही जौहर यूनिवर्सिटी से उन्होंने सीधा आजम खान के घर का रुख किया। एक कार में बैठकर आजम खान और अखिलेश यादव आजम के घर पहुंचे।

अखिलेश यादव का रामपुर दौरा पहले से प्रस्तावित था। आजम खान के

जेल से छूट के आने के बाद ये अखिलेश यादव की उनसे पहली मुलाकात है। इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। जेल से छूटने के बाद आजम से मुलाकात नहीं करने पर अखिलेश पर लगातार सवाल दागे जा रहे थे, मगर इस मुलाकात के बाद इन सभी सवालों पर विराम लगना तय माना जा रहा है। बुधवार को आजम खां के घर के बाहर अखिलेश यादव उनके साथ दिखे। जौहर यूनिवर्सिटी में आजम खान ने अखिलेश को रिसीव किया। इसके बाद दोनों एक साथ घर पहुंचे। इस बीच कार्यकर्ताओं का भी भारी जमावड़ा था।इससे पहले आजम खान से मिलने रामपुर जा रहे अखिलेश यादव का विमान बरेली एयरपोर्ट पर उतरा। पहले अखिलेश को सड़क मार्ग के जरिए बरेली से रामपुर आना था। मगर बरेली प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। लिहाजा बाद बरेली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह हेलिकॉप्टर से रवाना हुए। एयरपोर्ट से पहले ही सपा कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। हालांकि बाद में पांच लोगों को अखिलेश यादव से मिलने के लिए भेजा गया। जिसमें सपा सांसद नीरज मौर्य, विधायक शहजिल इस्लाम, विधायक अताउर रहमान, जिलाध्यक्ष शिवरण कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी शामिल रहे।

पंजाबी गायक राजवीर जवांदा का निधन, सड़क हादसे में घायल होने के बाद थे अस्पताल में भर्ती

बीपीएस न्यूज

पंजाब। लोकप्रिय पंजाबी गायक राजवीर जवांदा का बुधवार को निधन हो गया। वह 27 सितंबर को हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह फोर्टिस अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल के निदेशक अभिजीत सिंह ने उनके निधन की पुष्टि कर दी है। अभी मोहाली सिविल अस्पताल में उनके पार्थिव शरीर का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। अंत्येष्टि कल होगी।जवांदा मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती थे। डॉक्टरों के अनुसार, हादसे में उन्हें सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। राजवीर जवांदा (35) अपनी मोटरसाइकिल पर शिमला जा रहे थे, जब बद्दी क्षेत्र में नियंत्रण खोने से उनका एक्सीडेंट हो गया। हादसे के बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।कांग्रेस के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, जवांदा जी के निधन से बेहद दुखी हूं। हमने उनकी शीघ्र स्वस्थता की कामना की थी।

लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था।

अगर राकेश नहीं असद होता तो क्या होता? ओवैसी ने गवई पर जूता फेंकने को लेकर बीजेपी पर बोला हमला

बीपीएस न्यूज

हैदराबाद। ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम द्वारा एक्स पर साझा किए गए भाषण में कहा कि अगर उसका नाम राकेश किशोर नहीं होता और असद होता, तो पुलिस क्या करती? बीजेपी वाले कहते, उसे उठा लो!, वह पड़ोसी देश से आया है! वे उस व्यक्ति के खिलाफ सारे मोर्चे खोल देते।

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वकील राकेश किशोर द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले के प्रयास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर निशाना साधा और किशोर के खिलाफ कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया तथा धर्म के आधार पर पक्षपात का संकेत दिया। ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम द्वारा एक्स पर साझा किए गए भाषण में कहा कि अगर उसका नाम राकेश किशोर नहीं होता और असद होता, तो पुलिस क्या करती? बीजेपी वाले कहते, उसे उठा लो!, वह पड़ोसी देश से आया है! वे उस व्यक्ति के खिलाफ सारे मोर्चे खोल देते।उन्होंने राकेश किशोर की बेशर्मी की तुलना हाल ही में उत्तर प्रदेश के बरेली में आई लव मुहम्मद बैनर हटाने का विरोध कर रहे मुसलमानों पर पुलिस की कार्रवाई से की। राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ अपनी शिकायतों की सूची में बरेली का भी ज़िक्र किया और कहा कि न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर न्याय के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए था। ओवैसी ने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि राकेश किशोर ने नारा लगाया था, सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

किशोर ने मीडिया चैनलों को बताया कि हिंदू देवता भगवान विष्णु की एक मूर्ति से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की हालिया टिप्पणी से उन्हें ठेस पहुँची है। मुख्य न्यायाधीश पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी मौखिक टिप्पणी का कोई असम्मानजनक अर्थ नहीं था।

बीड़ी जलाने के बाद पेट्रोल पर माचिस की तीली फेंकी, छह लोग झुलसे

महाराष्ट्र । नासिक शहर में बुधवार को एक व्यक्ति ने बीड़ी जलाने के बाद अनजाने में माचिस की तीली वहां फैले पेट्रोल पर फेंक दी, जिससे लगी आग में छह लोग झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि कुछ घायलों को जिला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का निजी चिकित्सा केंद्र में इलाज किया जा रहा है। उसने बताया कि यह दुर्घटना शहर के सतपुर इलाके में दोपहर के समय हुई।पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, महादेववाड़ी स्थित मटन मार्केट के पास कुछ मजदूर एक पेड़ की कटाई कर रहे थे। मशीन चलाने के लिए एक कैन में पेट्रोल लेकर आए थे।अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात कार ने कैन को टक्कर मार दी, जिससे पेट्रोल वहां फैल गया। उन्होंने बताया कि तभी पास में बैठे एक बुजुर्ग व्यक्ति ने बीड़ी सुलगाई और बिना सोचे–समझे माचिस की तीली फेंक दी।अधिकारी ने बताया कि जलती हुई माचिस की तीली से अचानक तेजी से आग फैली, जिससे छह लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

मुख्यमंत्री ने किया 'अपनी रसोई' की स्मारिका का विमोचन

बीपीएस न्यूज

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रूरतमंदों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाले सामाजिक संगठन अपनी रसोई ट्रस्ट के पुनीत कार्य की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने संस्था की तीन वर्ष की सेवा यात्रा पर आधारित स्मारिका (पुस्तक) का विमोचन कर ट्रस्ट की सराहना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ाने में इस तरह की संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। गरीब, असहाय और बेसहारा लोगों को नि:शुल्क भोजन कराना अत्यंत सराहनीय कार्य है, जो मानवता की सच्ची मिसाल पेश करता है।अपनी रसोई ट्रस्ट के संस्थापक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने मुख्यमंत्री को संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कोविड काल में प्रारंभ हुई यह सेवा अब तक हजारों जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचा चुकी है। मुख्यमंत्री ने ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान जनसेवा की दिशा में प्रेरक उदाहरण है। कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित,माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा,पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, जल शक्ति मंत्री प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान जनप्रतिनिधिगण, भाजपा पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मायावती की रैली में आए वृद्ध की मौत, अचानक चक्कर खाकर गिरे

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित मायावती की रैली में एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, राम प्रकाश रैली में शामिल होने के लिए बस से अपने व अन्य साथियों के साथ आए थे।लखनऊ में आयोजित मायावती की रैली में एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, फतेहपुर सीकरी स्थित महुअर के रहने वाले राम प्रकाश (60) बृहस्पतिवार को मायावती की रैली में शामिल होने के लिए बस से अपने भाई सुख राम व अन्य साथियों के साथ लखनऊ आए थे। सुबह 8-30 बजे मानक नगर इलाके में बस से उतर कर जैसे ही पैदल रैली में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी अचानक वह चक्कर खाकर गिर पड़े। उन्हें इलाज के लिए लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया।

जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। उनके परिवार में पत्नी रामदुलारी दो बेटी दो बेटे हैं।

जूते पॉलिश कर कांग्रेस ने भाजपा के जीएसटी बचत उत्सव के झूठ और महंगाई, बेरोजगारी, मंदी को किया उजागर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में जीएसटी बचत उत्सव को झूठ बताते हुए महंगाई,बेरोजगारी और मंदी को उजागर करने के लिए अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा कानपुर दक्षिण के गोविंद नगर बाजार में जूता पालिश करते हुए अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया और त्यौहार के वक्त महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त युवा और मंदी की विकराल समस्या से जूझ रही जनता और छोटे व्यापारी मजदूर आदि के दुख को उजागर किया। काफी संख्या में कानपुर दक्षिण के कांग्रेस जन मौजूद रहे। सब हाथों में पोस्टर लिए रहे और जम कर नारेबाजी की। हजारों लोगों ने इस प्रदर्शन को देखा और माना कि दैनिक उपयोग की कोई चीज सस्ती नहीं है।

हाथों में जूता और ब्रश लिए अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार वोट चोरी,महंगाई,बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए जीएसटी बचत उत्सव का झुनझुना रूपी दिखावटी ढोंग कर रही है ।पवन गुप्ता ने कहा कि इस त्यौहार में भी आम जरूरतों की चीजें महंगी हैं और लोगों की जेब कट रही है। भाजपा लोगों को जीएसटी बचत उत्सव में खरीदारी के लिए फुसला रही है पर लोगों के पास दैनिक जरूरतों को भी पूरा करने की कमाई नहीं है, तो महंगी चीजें कहां से लें। जीएसटी बचत उत्सव बड़े पूंजीपतियों के लिए हो सकती है, पर आम जन के लिए तो यह त्यौहार भी महंगाई के अंधेरे में गुजर रहा है। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेसजनों की मांग है कि भाजपा झूठे दावे करना बंद करे और जनता की आम जरूरतों की चीजों को सस्ता करके बचत का असली लाभ दे ।अध्यक्ष पवन गुप्ता, हर प्रकाश अग्निहोत्री, दीपक त्रिवेदी बल्ली,इकबाल अहमद, गुड्डे सक्सेना, निजामुद्दीन खान, प्रभाकर पांडे, नरेंद्र पाल, मनोज वाल्मीकि, पदम मोहन मिश्रा, हरीश बाजपई, सैमुअल लकी सिंह, अतीक अहमद शहजादे, आनंद शुक्ला, राकेश साहू, अजय श्रीवास्तव शीलू, राकेश गुप्ता, रमाकांत शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, विकास सक्सेना, सतीश सिंह, कमलाकांत तिवारी, संजय दीक्षित, जफर शाकिर मुन्ना, ओम नाथ तिवारी, संदीप मिश्रा, अखिल गुप्ता, मोनू पाल, विनोद अवस्थी आदि थे।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर डफरिन अस्पताल में बेबी कीट वितरण कार्यक्रम आयोजित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के शुभ अवसर पर डफरिन अस्पताल, कानपुर नगर में जन्मी नवजात बालिकाओं को महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह द्वारा बेबी कीट वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, महिला कल्याण विभाग की हब टीम, डफरिन अस्पताल की अधीक्षिका, महिला कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा अस्पताल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं तालियों की गड़गड़ाहट से किया गया। अपने संबोधन में कमलावती सिंह ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमें बेटियों को केवल जन्म देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव समाप्त कर प्रत्येक बालिका को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए ।इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं—जैसे कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित माताओं से अपील की कि वे इन योजनाओं का लाभ अवश्य लें और अपनी बच्चियों के उज्जवल भविष्य हेतु उन्हें शिक्षित करने का संकल्प लें।

बालिकाओं के जन्म पर उपहारस्वरूप बेबी कीट प्राप्त कर अभिभावकों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। कार्यक्रम स्थल पर आनंद, उल्लास और मातृत्व की भावनाओं से परिपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन बालिकाओं की दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ किया गया।

अवैध पटाखे रखने पर अभियुक्त गया जेल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर के आदेश के क्रम में पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल व अपर पुलिस आयुक्त सेन्ट्रल कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा अपराध के रोकथाम हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल, सहायक पुलिस आयुक्त स्वरूप नगर के कुशल निर्देशन एवं मुझ प्रभारी निरीक्षक नजीराबाद के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के अन्तर्गत 10 गत्ता (कार्टून) अवैध पटाखे (विस्फोटक) फूलझडी, अनार, छुरखुनरी, रॉकेट को मुखबिर खास की सूचना अभियुक्त प्रतीक उर्फ शाहील पुत्र ओमप्रकाश उम्र करीब 30 वर्ष, ओमप्रकाश पुत्र स्व0 मूलचन्द निवासीगण 118/398 कौशलपुरी थाना नजीराबाद कानपुर नगर उम्र करीब 62 वर्ष, से उनके मकान 118/398 कौशलपुरी थाना नजीराबाद कानपुर नगर में अन्दर एक कमरे में पटाखो का भण्डारण करके रखा है पर अभियुक्तगण उपरोक्त के घर से लगभग 256 किल्या0 नाजायज पटाखे बरामद किया गया एवं अभियुक्तगण उपरोक्त को अन्तर्गत धारा 5 ज़्थी विस्फोटक अधिनियम 1884 में गिरफ्तार किया गया। पूंछतांछ में अभियुक्त उपरोक्त द्वारा वताया गया कि माहव दिवाली में फुटकर फुटकर बेचकर लाभ कमाने के लालच में आकर में फंस गया इसलिए पटाखो को खरीद कर भण्डारण किया था जिसे दिवाली में बेच कर लाभ कमाया जा सके। अभियुक्तगण उपरोक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

ग्राम भदरस में माटीकला चौपाल

कारीगरों को मिला प्रोत्साहन, मिट्टी निकालने हेतु स्थल किया गया आवंटित

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में ग्राम भदरस में माटीकला चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में कुम्हारी कला से जुड़े 41 पात्र कारीगरों का सत्यापन कर उन्हें मिट्टी निकालने हेतु स्थल आवंटित किया गया ।इस अवसर पर कारीगरों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों—दीये, कलश, लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाएँ, सजावटी बर्तन, घरेलू उपयोग की सामग्री और अन्य कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। चौपाल के दौरान प्रोत्साहन स्वरूप जलपान भी इन्हीं मिट्टी के बर्तनों में कराया गया। अधिकारियों ने कारीगरों को बताया कि पंजीकरण कराकर उन्हें प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, जिससे इस परंपरागत कला को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जा सके। एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण उपरांत पात्र कारीगरों को योजनाओं के अंतर्गत इलेक्ट्रिक चाक और इलेक्ट्रिक भट्ठी जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की गुणवत्ता भी और बेहतर होगी। माटीकला उद्योग न केवल पारंपरिक संस्कृति और विरासत को सहेजने का माध्यम है बल्कि यह पर्यावरण हितैषी और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी उत्तम है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि इस सूक्ष्म उद्योग को प्रोत्साहन देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन किया जाए। इसके माध्यम से दीपावली जैसे त्योहारों पर घर-आँगन मिट्टी के दीयों और इको-फ्रेंडली सजावटी वस्तुओं से जगमगाएँगे। यह प्रयास न केवल कारीगरों के जीवन में खुशहाली लाएगा बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ जीवनशैली की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्राचीन मंदिर विवाद का निस्तारण इसी क्रम में ग्राम पतारा के टेनापुर मजरे में स्थित प्राचीन शिव मंदिर से जुड़े लंबे समय से लंबित भूमि विवाद का समाधान कराया गया। एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह, एसीपी घाटमपुर, राजस्व और पुलिस टीम मौके पर पहुँची और दोनों पक्षों को सुनकर ग्रामवासियों की सहमति से विवाद खत्म कराया। मंदिर की संरचना व सामग्री से यह विरासत का हिस्सा प्रतीत होता है। इसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव पर्यटन और पुरातत्व विभाग को भेजा जा रहा है। यह प्रकरण पूर्व में जिलाधिकारी के जनता दर्शन में भी उठ चुका था और डीएम ने आवश्यक कार्रवाई के लिए एसडीएम घाटमपुर को निर्देशित किया था। निस्तारण के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

स्वरूपनगर में खड़ी कार में मिला अवैध पटाखों का भंडारण, विस्फोटक अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिसातखाना में हुए धमाके के बाद से पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को स्वरूपनगर में देर रात चेकिंग के दौरान खड़ी एक कार में पटाखों का अवैध रूप से भंडारण पकड़ा है। पुलिस ने पटाखे जब्त कर कार सीज कर दी है।

बिसातखाना में बुधवार से लेकर अब तक 150 क्विंटल से अधिक पटाखों की बरामदगी की जा चुकी है। शनिवार देर रात चेकिंग के दौरान स्वरूपनगर पुलिस को एक बड़े अस्पताल की गली में नामचीन डॉक्टर के घर के पास रहने वाले रिषभ त्रिपाठी की कार में भारी मात्रा में पटाखा मिला।

स्वरूपनगर इंस्पेक्टर सूर्यबली पांडेय ने बताया कि कार से अनार, बम, फुलझड़ी व सीको समेत कई अन्य पटाखे बरामद किए। कार में रखे पटाखों से हादसा होने की संभावना थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि उन्होंने खुद वादी बनकर विस्फोटक अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही कार को सीज किया गया।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।

सुप्रीम कोर्ट में वकील की हरकत पर बार काउंसिल सख्त, लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले की कोशिश के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अधिवक्ता राकेश किशोर का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अदालती कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले किशोर को आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई तक देश भर की किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण या कानूनी प्राधिकरण में वकालत करने से रोक दिया गया है। एक कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, जिसमें अधिवक्ता को आदेश प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर जवाब देना होगा, जिसमें यह बताना होगा कि निलंबन जारी क्यों नहीं रखा जाना चाहिए और आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

दिल्ली बार काउंसिल को बिना किसी देरी के आदेश लागू करने का निर्देश दिया गया है। इसमें वकील की स्थिति को अपनी आधिकारिक सूची में अपडेट करना और अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी अदालतों और न्यायाधिकरणों को निलंबन के बारे में सूचित करना शामिल है। इससे पहले, दिन में सुप्रीम कोर्ट में उस समय कोर्टरूम ड्रामा शुरू हो गया जब एक वकील ने सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश की। राकेश किशोर को कोर्टरूम से बाहर ले जाते समय उन्होंने चिल्लाकर कहा कि भारत सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा।

एसएमएस अस्पताल में लगी भीषण आग,8 मरीजों की जलकर मौत

» एसएमएस अस्पताल में लगी भीषण आग. 8 मरीजों की जलकर मौत

» हॉस्पिटल अधीक्षक, ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज को हटाया

» एक्सईएन निलंबित; फायर सेफ्टी कंपनी पर होगी एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

जयपुर। जयपुर के सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार देर रात आग लगने से गंभीर रूप से बीमार छह मरीजों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि जब स्टोर रूम में आग लगी, तब न्यूरो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में 11 मरीजों का इलाज हो रहा था। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण 'शॉर्ट सर्किट% माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान पिंटू (सीकर निवासी), दिलीप (आंधी, जयपुर निवासी), श्रीनाथ, रुक्मिणी, खुरमा (सभी भरतपुर निवासी) और बहादुर (सांगानेर, जयपुर निवासी) के रूप में हुई है।

डॉ. धाकड़ ने बताया कि आईसीयू में 11 मरीज भर्ती थे इनमें से छह की मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष हैं। उन्होंने कहा, ''चौदह अन्य मरीजों को एक अलग आईसीयू में भर्ती कराया गया था और सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।आग लगने से इमारत में अफरा-तफरी मच गई, धुआं तेजी से पूरी मंजिल पर फैल गया और मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। आग में कई दस्तावेज, आईसीयू उपकरण व अन्य सामान जलकर खाक हो गए। अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। यहां तक कि उन्हें उनके बिस्तरों सहित इमारत से बाहर भी पहुंचाया गया। सूचना मिलने के तुरंत बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और लगभग दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।घटनास्थल पर मौजूद वार्ड बॉय विकास ने 'बताया कि आग के विकराल होने से पहले उन्होंने और अन्य कर्मचारियों ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाया। उन्होंने कहा, ''जब हमें आग की खबर मिली, तब हम ऑपरेशन थिएटर में थे, इसलिए हम तुरंत सेंटर के अंदर मौजूद लोगों को बचाने के लिए दौड़े। हम कम से कम तीन-चार मरीजों को बचाने में कामयाब रहे। हालांकि, आग की लपटें तेज होने के कारण, हम इमारत के अंदर नहीं जा सके। हमने ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने की पूरी कोशिश की।

उन्होंने बताया कि पुलिस बाद में पहुंची, लेकिन भारी धुएं के कारण वे तुरंत इमारत में नहीं जा सके। जब दमकल की टीम पहुंची, तो पूरा वार्ड धुएं से घिरा हुआ था। दमकलकर्मियों को आग बुझाने के लिए इमारत के दूसरी तरफ की एक खिड़की तोड़नी पड़ी। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने स्थिति का जायजा लेने के लिए ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया।पटेल और बेढम के वहां पहुंचने पर दो मरीजों के तीमारदारों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की और आरोप लगाया कि आग लगने के दौरान कर्मचारी भाग गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि अस्पताल के कर्मचारी उनके मरीजों की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे पा रहे थे। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा, ''हमने धुआं देखा और तुरंत कर्मचारियों को सूचित किया, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। जब आग लगी, तो वे सबसे पहले भागे। अब, हमें अपने मरीजों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। हम उनकी हालत जानना चाहते हैं, लेकिन कोई हमें बता नहीं रहा है।बाद में, मुख्यमंत्री भी घटनास्थल पर पहुंचे और चिकित्सकों एवं मरीजों से बात की। उन्होंने 'एक्स पर लिखा, ''जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों एवं अधिकारियों से जानकारी ली और त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुरक्षा, इलाज और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

चीफ जस्टिस गवई पर जूता उछालने की कोशिश करने वाला वकील हिरासत में, CJI बोले- ऐसी घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता

भगवान पर टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर जताई गई थी नाराजगी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई। यहां सुनवाई के दौरान एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शख्स ने कोर्ट के अंदर नारेबाजी भी की। बाद में कोर्ट में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। इससे कुछ देर के लिए कोर्ट की कार्यवाही बाधित रही। लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक, अदालत में मौजूद लोगों ने बताया कि पकड़े गए शख्स ने नारे लगाए- सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने वेबसाइट को बताया कि व्यक्ति ने सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी, वहीं कुछ और ने कहा कि चीफ जस्टिस पर कागज का रोल फेंका गया। इस व्यक्ति के वकील की वेशभूषा में होने का भी दावा किया गया है।

दूसरी तरफ कानूनी मामलों से जुड़ी वेबसाइट बार एंड बेंच ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों से केस के बारे में सुन रही थी, तभी एक वकील दौड़ता हुआ आगे आया और अपना चीफ जस्टिस पर हमले के लिए पैर से जूता निकालने की कोशिश करने लगा। हालांकि, लगभग तुरंत ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और कोर्ट से बाहर कर दिया।मुख्य न्यायाधीश ने इस घटना के बाद कहा कि उन्हें इन घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जारी रखने की बात कही। बताया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में जांच बिठा दी है। वकील की तरफ से इस घटना को अंजाम दिए जाने पर भी पूछताछ जारी है। गौरतलब है कि खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करने वाली याचिका खारिज करने और सुनवाई के दौरान दिए गए बयानों को लेकर सीजेआई बीआर गवई का सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था। तब मुख्य न्यायाधीश ने इन टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए कहा था- किसी ने मुझे बताया कि मैंने जो टिप्पणियां की थीं, उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।

कटक में हिंसा के बाद 36 घंटे का कर्फ्यू लागू, 60 पुलिस पलटन तैनात

» बीपीएस न्यूज

कटक। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। इस बढ़ती हिंसा को काबू में करने के लिए राज्य सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के पंडालों की मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद प्रशासन ने 36 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू 6 अक्तूबर रात 10 बजे से 7 अक्तूबर सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। ये कर्फ्यू भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के तहत लगाया गया है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती कटक में शांति बनाए रखने के लिए 60 पुलिस पलटन तैनात किए गए हैं।

इसके अलावा रैपिड एक्शन फोर्ट (आरएएफ), बीएसएफ, सीआरपीएफ और ओडिशा स्विफ्ट एक्शन फोर्स के आठ कंपनियां महत्वपूर्ण जगहों और चौराहों पर तैनात की गई हैं।

सत्ता पक्ष और विपक्ष ने की शांति की अपील

मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी, पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और स्थानीय विधायक नागरिकों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। मुख्यमंत्री माजी ने कहा, साम्प्रदायिक सौहार्द पर कोई समझौता नहीं होगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

क्यों और कैसे हुई झड़प?

जानकारी के मुताबिक, दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान कटक में दो समुदायों के बीच झड़प हुई। हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात हाती पोखरी इलाके से हुई, जब कुछ स्थानीय लोग विसर्जन रैली में तेज संगीत से नाराज हो गए। रविवार को दोबारा झड़प तब हुई जब वीएचपी की मोटरसाइकिल रैली प्रशासनिक आदेश की अवहेलना करते हुए निकली।

सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी हिंसक हो गए। इसके दौरान पत्थरबाजी, आगजनी और पुलिस की रबर की गोलियां व आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

इसमें 25 लोग घायल हुए, जिनमें आठ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। रविवार शाम को गौरीशंकर पार्क के पास कुछ जगहों पर आग लगाई गई, दुकानों और सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया गया। फायर सर्विस और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर स्थिति काबू में की।

मध्यप्रदेश में 'फर्जी' शराब चालान घोटाले में ईडी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया

» बीपीएस न्यूज

मध्यप्रदेश। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने मध्यप्रदेश में कथित तौर पर 50 करोड़ रुपये के फर्जी शराब चालान घोटाले के सिलसिले में धनशोधन रोधी कानून के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया है।संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंश त्रिवेदी और राजू दशवंत को तीन अक्टूबर को इंदौर में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था। इसने कहा कि एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें आठ अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।ईडी के अनुसार, दोनों की पहचान ''मुख्य षड्यंत्रकारियों'' के रूप में की गई है, जिन्होंने ''धोखाधड़ीपूर्ण'' तरीका तैयार किया और उसे क्रियान्वित किया, जिससे शराब ठेकेदारों को ''अवैध'' रूप से लाभ प्राप्त करने में मदद मिली, जबकि सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।एजेंसी की जांच में पाया गया कि एक ''धोखाधड़ी'' योजना शुरू की गई थी, जिसमें आरोपी शराब ठेकेदारों ने शुरू में नाममात्र राशि के ट्रेजरी चालान जमा किए, लेकिन जानबूझकर ''शब्दों में रुपये'' खंड को खाली छोड़ दिया।इसने कहा कि राशि जमा करने के बाद उन्होंने धोखाधड़ी से अंकों और शब्दों में बढ़ा-चढ़ाकर राशि भर दी। ईडी ने कहा, ''इन छेड़छाड़ की गई चालान प्रतियों को बाद में देशी शराब के गोदामों या जिला आबकारी कार्यालयों (विदेशी शराब के मामले में) में आबकारी शुल्क, मूल लाइसेंस शुल्क या न्यूनतम गारंटी प्रतिबद्धताओं के भुगतान के झूठे सबूत के रूप में प्रस्तुत किया गया।''

7 लाख 50 हजार बैरल तेल लेकर भारत आ रहे जहाज को फ्रांस ने घेर लिया, रूस ने दिखाया अपना रौद्र रूप

» बीपीएस न्यूज

वाशिंगटन। भारत आ रहे एक जहाज को फ्रांस की सेना ने घेर लिया। इस जहाज का कप्तान एक चीनी नागरिक था। ये जहाज रूस से 7 लाख 50 हजार बैरल कच्चा तेल लेकर भारत आ रहा था। लेकिन फ्रांस की नौसेना इस जहाज पर टूट पड़ी।

इस खबर ने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया क्योंकि ये जहाज रूसी था और इसमें रूसी तेल था। इस जहाज को चीनी नागरिक चला रहा था। ये जहाज भारत तेल लेकर आ रहा था। ऐमें जहां रूस, भारत और चीन किसी काम को कर रहे हो वहां पर कोई बेवकूफ ही अपनी टांग अड़ाएगा। लेकिन ये टांग फ्रांस ने अड़ा दी। फ्रांस की नौसेना ने इस जहाज को अटालांटिक तट पर रोक लिया। इस जहाज के कैप्टन, वाइस कैप्टन और चालक दल को गिरफ्तार कर लिया। फ्रांस ने बयान जारी किया है कि इस जहाज के कैप्टन पर मुकदमा चलाया जाएगा।

इस बड़ी घटना के बाद रूस और भारत हरकत में आया। जिस वक्त फ्रांस ने ये दिखाने की कोशिश की कि हमने को रूसी तेल पर एक्शन लिया है। यूरोप नहीं चाहता कि दुनिया का कोई देश रूस से तेल खरीदे। उसी वक्त भारत से खबर आई कि उसने यूरोप को डीजल बेचने के मामले में रिकार्ड बना दिया था। सितंबर के महीने में यूरोप को भारत का डीजल निर्यात अब तक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है। सबसे अहम ये है कि भारत ने रूसी तेल को प्रोसेस किया और यूरोपीय देश को बेच दिया। यूरोप ने बड़े आराम से रूसी तेल खरीद भी लिया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फ्रांस द्वारा रूस से जुड़े एक जहाज को रोके जाने पर कहा कि ये पॉयरेसी यानी समुद्री डकैती है।

बंगाल में टीएमसी का जंगलराज! बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे बीजेपी सांसद पर हमला, खून से लथपथ

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। उत्तर बंगाल में बाढ़ राहत कार्य के दौरान भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हुए हमले में वह घायल हो गए, जिसके बाद शुभेंदु अधिकारी ने सीधे सत्तारूढ़ टीएमसी पर आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं ने इसे राजनीतिक हिंसा और टीएमसी के जंगलराज का प्रमाण बताते हुए कहा कि यह भाजपा को बाढ़ पीड़ितों की मदद करने से रोकने का प्रयास है।उत्तर बंगाल में एक चौंकाने

वाली घटना में, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू बाढ़ प्रभावित समुदायों को राहत सामग्री वितरित करते समय हुए हमले में घायल हो गए। जलपाईगुड़ी के नागराकाटा इलाके में पथराव की यह घटना उस समय हुई जब मुर्मू और भाजपा विधायक डॉ. शंकर घोष हाल ही में हुई भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के पीड़ितों की मदद के लिए मौके पर मौजूद थे। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह हमला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सदस्यों द्वारा रचा गया था। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने ङ्ग पर पोस्ट किया, बंगाल में टीएमसी का जंगलराज!

» नौ दिन पहले मिली थी नई जिम्मेदारी

» डीजीपी और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी की शिकायत की थी

आईजी पूरन कुमार ने खुद को मारी गोली

» बीपीएस न्यूज

रोहतक। हरियाणा पुलिस में आईजी वाई पूरन कुमार ने मंगलवार को चंडीगढ़ में खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। आईजी वाई पूरन कुमार साल 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे।

चंडीगढ़ में आईजी वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले से हरियाणा पुलिस में हड़कंप मचा हुई है। पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्हें नौ दिन पहले ही पीटीसी सुनारिया का आईजी बनाया गया था। हालांकि आईजी के सुसाइड मामले को लेकर कोई भी पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं है।

हरियाणा सरकार ने 21 अप्रैल को 42 आईपीएस व 13 एचपीएस का तबादला किया था। इसमें हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के आईजी वाई पूरन कुमार को रोहतक रेंज का आईजी लगाया था। वाई पूरन कुमार पांच माह रोहतक रेंज के आईजी रहे। 29 सितंबर को सरकार ने छह आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया था। इसमें पूरन कुमार को पीटीसी सुनारिया का आईजी लगाया गया था।

बता दें कि हरियाणा पुलिस के बड़े अधिकारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। घटना चंडीगढ़ के सेक्टर-11 की है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

समाजवादी व्यापार सभा कानपुर नगर ग्रामीण का होगा विस्तार : विनय कोरी

कानपुर। समाजवादी व्यापार सभा कानपुर नगर/ग्रामीण का विस्तार कानपुर आ रहे प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व मे और कानपुर ग्रामीण अध्यक्ष मुनीद्र शुक्ला की अध्यक्षता मे विस्तार होने जा रहा है इसी क्रम मे बिल्हौर विधानसभा का नेतृत्व कर रहे विनय कोरी द्वारा संगठन को ले कर बैठक की गई। बैठक मे नव मनोनीत अतुल त्रिपाठी कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम मे पहुंच कर हौंसला अफ़ज़ाई किया गया। कार्यक्रम मे प्रदेश उपाध्यक्ष हरदीप सिंह रखड़ा, विनय कोरी प्रदेश सचिव/वरिष्ठ नेता बिल्हौर विधानसभा, कानपुर नगर अध्यक्ष नन्द लाल जायसवाल रहे। साथ ही कार्यक्रम मे नवमानोनीत जिला महासचिव शिवम् पाल रहे। सबसे पहले कार्यक्रम मे मनोज चौरसिया, जिला अध्यक्ष अतुल त्रिपाठी का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान अतुल ने कहाँ की मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसव की तरफ से जो मुझे ज़िम्मेदारी मिली है उसको मेरे द्वारा पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन किया जायेगा और ज्यादा से ज्यादा व्यापारी को जोड़ा जायेगा।वही हार्दिक सिंह रखड़ा ने कहाँ की अतुल त्रिपाठी एक ज़िम्मेदार व्यक्ति है हम आशा करते है की वह पूरी ईमानदारी से काम करेंगे और सरकार बनाने मे सहयोग करेंगे इसके बाद प्रदेश सचिव और बिल्हौर विधानसभा के विधायक पद के दावेदार विनय कोरी ने कहाँ की अतुल का सब लोग मिल कर सहयोग करेंगे उनकी पूरी मदद करेंगे। समाजवादी पार्टी नवजावानो की पार्टी है जो आशीर्वाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने और प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने जताया है उसपे खरा उतरना है। वही अंत मे कानपुर नगर अध्यक्ष नन्दलाल जायसवाल ने कहाँ की हम सभी लोग मिल कर अतुल त्रिपाठी की मदद करेंगे और आने वाले समय मे समाजवादी सरकार बनाएंगे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिलाधिकारी ने बिठूर स्थित वाल्मीकि आश्रम में की पूजा-अर्चना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पहुँचे, जहाँ उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा आश्रम परिसर में आयोजित अखण्ड रामायण पाठ में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर लवकुश आश्रम के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों द्वारा महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित 'रामायण' का भावपूर्ण पाठ किया गया। जिलाधिकारी ने बालकों के अनुशासन, वाचन-कौशल एवं धार्मिक ज्ञान की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

जिलाधिकारी सिंह ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी न केवल आदिकवि के रूप में विख्यात हैं, बल्कि उन्होंने अपने अमर ग्रंथ रामायण के माध्यम से समाज को आदर्श जीवन, सत्य, धर्म और मर्यादा का संदेश दिया है।

उनके जीवन और उपदेश आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भक्ति और श्रद्धा का भावपूर्ण वातावरण रहा। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, जिला पर्यटन अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी बिठूर तथा संबंधित अधिकारीगण, आश्रम के महंतगण, गुरुकुल के विद्यार्थी एवं अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन पर भारी दबंग, दिव्यांग दंपति को दिलाया कब्जा फिर तोड़ा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में एक दबंग जिला प्रशासन पर भारी पड़ते हुए उन्हें खुली चुनौती दे रहा है। दबंग ने पहले एक दिव्यांग दम्पति का प्लाट कब्जा कर लिया। महिला ने जब समाधान दिवस पर जिलाधिकारी से शिकायत की तो उन्होंने पूरी प्रशासनिक टीम को दिव्यांग दम्पति को कब्जा दिलाने भेज दिया। प्रशासनिक टीम ने नापजोख करके कब्जा दिला दिया और दम्पति ने वहां पिलर भी खड़े कर लिया, लेकिन दबंगों ने जिला प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए रात में पिलर गिरा दिये और सरिया व अन्य सामान भी चोरी कर लिया। पीड़ित दम्पति ने थाने में तहरीर दी है। बर्रा थाना क्षेत्र के कर्रही निवासी आदित्य और उनकी पत्नी मिथलेश दिव्यांग हैं।

मिथलेश ने बताया कि उन्होंने सेन पश्चिम पारा में राम सजीवन से 245 वर्गगज के एक प्लाट वर्ष 2018 में खरीदा था। प्लाट की रजिस्ट्री और कब्जा लेने के बाद उन्होंने प्लाट पर ईंट लगवा दी थीं। बाद में दबंग रामसजीवन ने उक्त प्लाट एक बिल्डर को देने के लिए कब्जा कर लिया। विरोध करने पर रामसजीवन ने उसे पति संग समझौते के लिए बुलाया और अपने पुत्र अजय कुमार, दोस्त मुस्लिम शाह व दस पन्द्रह अज्ञात लोगों के साथ उन्हें बंधक बना लिया और तमंचा लगाकर जबरन स्टाम्प पेपर पर पति से हस्ताक्षर करा लिये। वह थाने गयी, लेकिन सुनवायी नहीं हुई। एक साल बाद वह फिर प्लाट पर गयी तो दबंगों ने उससे अश्लील हरकत कीं और उन्हें मारने के लिए दौड़ा लिया। पीड़िता ने बताया कि थाने में सुनवायी न होने पर उसने 20 सितम्बर 25 को समाधान दिवस पर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया।इस पर जिलाधिकारी ने उनके साथ कानूनगो, नयाब तहसीलदार और लेखपाल की टीम भेजकर उन्हें प्लाट पर कब्जा दिलाया। कब्जा मिलने पर उसने प्लाट पर पिलर लगा दिये। रात में दबंगों ने पिलर गिरा दिये और उसमें लगी सरिया और निर्माण के लिए लायी गयी बीस बोरी सीमेन्ट चोरी कर ली। वह सुबह जब प्लाट निर्माण करने गयी तो उसे मामले की जानकारी हुई।

फ्रांसीसी नेता जिन्होंने किया कानून का उल्लंघन

पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को 5 साल की जेल की सज़ा सुनाई गई है। सरकोजी को 2007 में राष्ट्रपति पद के लिए लीबिया से धन जुटाने के प्रयासों से जुड़ी आपराधिक साज़िश का दोषी ठहराया गया था। हालांकि वह जेल की सज़ा काटने वाले पहले पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति होंगे, लेकिन कानूनी मुश्किलों का सामना करने वाले वह अकेले नेता नहीं हैं।

निकोलस सरकोजी

सरकोजी को 2007 के अपने अभियान के वित्तपोषण के लिए **लीबियाई नेता मुअम्मर गद्दाफी** से कथित रूप से **अवैध धन** प्राप्त करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र का दोषी पाया गया है। कथित तौर पर बदले में, उन्होंने पश्चिमी देशों के साथ गद्दाफी की प्रतिष्ठा सुधारने में मदद करने का वादा किया था। उन्हें **पांच साल जेल की सजा** सुनाई गई है।

पिछली दोषसिद्धि

उन्हें पहले भी दो बार दोषी ठहराया जा चुका है। 2021 में, उनसे फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान, लीजन ऑफ ऑनर छीन लिया गया।

फ्रांस्वा फिलोन

2020 में, फिलोन और उनकी पत्नी को **सार्वजनिक धन के गबन** के लिए दोषी ठहराया गया था, क्योंकि उन्होंने अपनी पत्नी को उस काम के लिए 1156 **मिलियन यूरो** का भुगतान किया था जो उन्होंने संसदीय सहायक के रूप में कभी नहीं किया था। फिलोन 2017 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे, लेकिन आरोप सामने आने पर उन्हें बाहर होना पड़ा।

शुरू में उन्हें पांच साल की जेल (तीन साल निलंबित) की सजा सुनाई गई थी। बाद में उनकी सजा घटाकर चार साल कर दी गई (तीन साल निलंबित)। उनकी पत्नी को दो साल की निलंबित सजा मिली। अदालत ने उनमें से प्रत्येक पर 375,000 यूरो का जुर्माना लगाया।

ज़्याक शिराक

2011 में, शिराक को पेरिस के मेयर (1977-1995) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी सदस्यों को **फर्जी नौकरियों** के लिए भुगतान करने हेतु सार्वजनिक धन आवंटित करने के लिए गबन, विश्वास के दुरुपयोग और हितों के अवैध टकराव का दोषी ठहराया गया था।

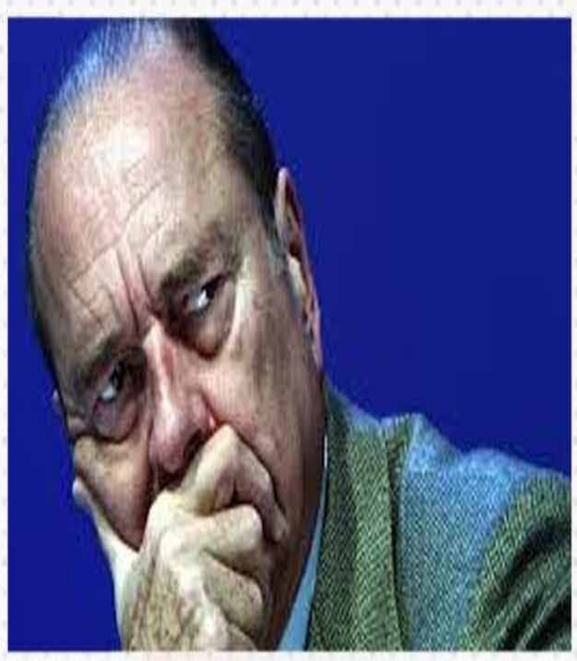

उन्हें दो वर्ष की निलंबित जेल की सजा मिली और स्मृति संबंधी समस्याओं के कारण वे सुनवाई में उपस्थित नहीं हो सके। शिराक पहले पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति थे जिन पर मुकदमा चलाया गया।

वालेरी गिस्कार्ड

1979 में, रिपोर्टें सामने आईं कि गिस्कार्ड को वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति जीन-बेडेल बोकासा से **हीरे की एक थाली** मिली थी। गिस्कार्ड ने दावा किया कि उन्होंने हीरे बेच दिए हैं और आय को मध्य अफ्रीकी रेड क्रॉस को दान कर दिया है, लेकिन स्थानीय रेड क्रॉस ने किसी भी तरह का दान प्राप्त करने से इनकार कर दिया।

यौन उत्पीड़न के आरोप

2020 में, फ्रांसीसी अभियोजकों ने गिस्कार्ड द्वारा एक पत्रकार के कथित **यौन उत्पीड़न** की जांच शुरू की। मुकदमा शुरू होने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।

मुख्यमंत्री से अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्तागण एडवोकेट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में अधिवक्ताओं को आयुष्मान योजना से जोड़े जाने हेतु पुराने देहात न्यायालय परिसर से जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जहां पर बोलते हुए एडवोकेट्स एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री राजेश तिवारी ने कहा कि सरकार ने जैसे शिक्षकों को आयुष्मान से जोड़ कर मुफ्त चिकित्सा सुविधा दी है उसी तरह न्यायालय के अधिकारी हम अधिवक्ताओं को भी आयुष्मान योजना से जोड़ा जाए या रु 500000 का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करें।जिससे अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों का आसानी से इलाज हो सके । संरक्षक और वरिष्ठ अधिवक्ता पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने कहा कि अधिवक्ताओं का स्वास्थ्य बीमा न होने से अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों का बेहतर इलाज नहीं हो पा रहा है हमारी मांग है कि अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ा जाए । कुछ दिन पूर्व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भी मांग पत्र दिया था इसके लिए हम अधिवक्तागण वर्षों से संघर्षरत है।अपर जिलाधिकारी न्यायिक चंद्र शेखर ने प्रतिवेदन प्राप्त कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय भेजने का आश्वासन दिया।प्रमुख रूप से रिजवान अली खां, राजेंद्र शुक्ला, पूजा गुप्ता, संजीव कपूर, ओ पी दुबे, यशु शुक्ला, सतेंद्र राय, शैलेन्द्र कुमार, अंकित मिश्रा, अनूप गुप्ता, महेश अवस्थी, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि रहे।

खाद्य विभाग टीम द्वारा मिलावटखोरी पर की गयी बड़ी कार्यवाही, 31 लाख मूल्य की सामग्री किया सीज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद कानपुर नगर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

सहायक आयुक्त (खाद्य) संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही की गई। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 20 खाद्य पदार्थों के नमूने (जैसे बेसन, इलायची दाना, खोया, दूध, घी, तेल, मिठाई आदि) एकत्र कर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किये गये हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सचल प्रयोगशाला एवं निरीक्षण कार्यवाहीखाद्य सचल प्रयोगशाला द्वारा चुन्नीगंज बस स्टैण्ड, 80 फिट रोड, बेनाझाबर, लाजपत नगर आदि क्षेत्रों में मौके पर खाद्य पदार्थों की जांच की गई। इस दौरानमशीन द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में प्रयुक्त खाद्य तेलों की जांच भी की गई। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों पर ग्राहक संतुष्टि फीडबैक स्टिकर लगवाये एवं कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई एवं हाइजिनिक दशाओं में खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय हेतु निर्देश दिये। दूध व छेने से बनी मिठाइयों के निर्माताओं एवं विक्रेताओं को उनकी उपयोग अवधि दुकान पर स्पष्ट रूप से अंकित करने के निर्देश भी दिये गये।संदेहास्पद एवं खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की जब्तीनिरीक्षण के दौरान निम्नलिखित खाद्य सामग्री संदेहास्पद / खराब गुणवत्ता की पाई गई, जिसे सीज किया गया ।

मेसर्स-गुरूनानक आयल ट्रेडर्स, फजलगंज, कानपुर नगर से19944 लीटर खाद्य तेल (अनुमानित मूल्य 30,22,468/-) सीज किया गया।

मेसर्स-सीताराम एंड सन्स, मेसर्स-ओम कुमार एंड सन्स एवं मेसर्स-शबनम ट्रेडिंग, कैन्ट, कानपुर नगर से1500 किलोग्राम इलायची दाना व गट्टा (अनुमानित मूल्य 74,500/-) जब्त किया गया।

त्यौहार को देखते हुए खाद्य विभाग टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध चलाया गया विशेष अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद कानपुर नगर में विशेष अभियान चलाया गया।सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्व्ह्न संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जनपद के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं निर्माण स्थलों पर प्रवर्तन कार्यवाही की गई। इस दौरान खाद्य पदार्थों के कुल 17 नमूने विभिन्न स्थानों से संग्रहीत कर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किए गए।सूचना प्रेषित किए जाने तक नमूनो को जांच हेतु प्रेषित किया जा रहा है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।कार्यवाही के दौरान खाद्य सचल प्रयोगशाला (स्नस्ङ्ख) द्वारा मौके पर खाद्य पदार्थों की जांच की गई तथा जगह-जगह ग्राहक संतुष्टि फीडबैक स्टिकर लगाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई एवं हाइजीनिक दशाओं में खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय करने के निर्देश दिए।

दूध व छेने से बनी मिठाइयों के निर्माताओं एवं विक्रेताओं को उपयोग अवधि (स्द्धद्गद्यद्ध स्रुद्धद्ग) बड़े अक्षरों में प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए।अभियान के दौरान अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित एवं दुर्गंधयुक्त 110 किलोग्राम पनीर (मूल्य 27,500) को नष्ट कराया गया।साथ ही,जांच में संदेहास्पद पाये जाने पर ओमपुरवा, लाल बंगला स्थित परिसर में 439 लीटर खाद्य तेल (अनुमानित मूल्य 60,303) एवं उद्योग नगर स्थित परिसर में 720 किलो बेसन (मूल्य 44,800) को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सीज किया गया।जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि पर्वों के दौरान जनमानस को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेतु जनपद में सतत सघन जांच एवं निगरानी अभियान जारी रहेगा।